



RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन +91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष : 15 | अंक:265 | पेज:08 | mahanagarmetro7@gmail.com

|| अहमदाबाद, (रविवार) 17 मई 2026 ||

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

● नीदरलैंड में पीएम मोदी: प्रवासी भारतीयों से बोले -

‘आपकी कहानी आस्था और संघर्षों के बीच प्रगति की कहानी’

एजेंसी हेग/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीदरलैंड की यात्रा पर हैं। उन्होंने ‘द हेग’ में भारतीय समुदाय की ओर से अपने सम्मान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी देन का उल्लेख किया। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए

● ‘यह सांस्कृतिक आस्था के बीच तमाम संघर्षों के बीच प्रगति की कहानी है’

उन्होंने कहा, ‘इतना प्यार और उत्साह... सच कहूँ तो कुछ देर के लिए मैं भूल ही गया था कि मैं नीदरलैंड में हूँ। ऐसे लग रहा है कि जैसे भारत में ही कहीं कोई फेस्टिवल

चल रहा है।’ भारतीय समुदाय के योगदान पर गौरवान्वित होते हुए कहा, ‘आप नीदरलैंड के समाज और यहां



की इकोनॉमी में जो आपकी देन हैं उस पर हर भारतवासी को गर्व है। मैं आज इस अवसर पर नीदरलैंड की जनता और सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं यहां की जनता को 140 करोड़ भारतवासियों की तरफ से

अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।’ प्रधानमंत्री ने इस दौरान भारत की विश्व को देन और भारतीय

था कि दो महासागर पर करने के बाद भी भारतीयों की पहचान इतनी जीवंत रहेगी। आपके पूर्वज बहुत कुछ पीछे छोड़ गए, लेकिन कुछ चीजें उनके साथ रहीं, अपनी मिट्टी की खशबू, त्योहार की संस्कृति, भजन की धुनें और पूर्वजों के संस्कार। समय के साथ अनेक संस्कृतियां मिट गईं लेकिन भार की विविध संस्कृति अपने लोगों के दिलों में धड़कता है। पीएम मोदी बोले, ‘परिवेश बदल गए, लेकिन परिवार के संस्कार नहीं बदले, अपनापन नहीं बदला। आपने डच भाषा को अपनाया लेकिन पुरखों की भाषा को छोड़ा नहीं। हमारे कम्युनिटी रेडियो यहां बहुत लोकप्रिय हैं। इन स्टेशन के माध्यम से संस्कृति एवम् गाने लोकप्रिय हैं। आप हमारी संस्कृति भावी पीढ़ियों तक पहुंचा रहे हैं। ये सराहनीय है और आप अभिनंदन के अधिकारी हैं।’

था कि दो महासागर पर करने के बाद भी भारतीयों की पहचान इतनी जीवंत रहेगी। आपके पूर्वज बहुत कुछ पीछे छोड़ गए, लेकिन कुछ चीजें उनके साथ रहीं, अपनी मिट्टी की खशबू, त्योहार की संस्कृति, भजन की धुनें और पूर्वजों के संस्कार। समय के साथ अनेक संस्कृतियां मिट गईं लेकिन भार की विविध संस्कृति अपने लोगों के दिलों में धड़कता है। पीएम मोदी बोले, ‘परिवेश बदल गए, लेकिन परिवार के संस्कार नहीं बदले, अपनापन नहीं बदला। आपने डच भाषा को अपनाया लेकिन पुरखों की भाषा को छोड़ा नहीं। हमारे कम्युनिटी रेडियो यहां बहुत लोकप्रिय हैं। इन स्टेशन के माध्यम से संस्कृति एवम् गाने लोकप्रिय हैं। आप हमारी संस्कृति भावी पीढ़ियों तक पहुंचा रहे हैं। ये सराहनीय है और आप अभिनंदन के अधिकारी हैं।’

भोजशाला पर फैसले में हुई एसआई के पुराने रुख की अनदेखी

एआईएमपीएलबी सुप्रीम कोर्ट में देगा चुनौती

एजेंसी नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने भोजशाला मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को मानने से इनकार किया है और इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है। बोर्ड ने इस फैसले को ऐतिहासिक तथ्यों, सरकारी अभिलेखों, पुरातात्विक साक्ष्यों और स्वयं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसआई) के पूर्व रुख के खिलाफ बताते हुए खारिज कर दिया है। बोर्ड ने घोषणा की है कि कमाल मौला मस्जिद कमेटी इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी और बोर्ड इस कानूनी लड़ाई में उसका हरसंभव सहयोग करेगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला ऐतिहासिक साक्ष्यों, राजस्व अभिलेखों, औपनिवेशिक काल के सरकारी दस्तावेजों, गजेटियरों और सदियों पुराने मुस्लिम इबादती संबंधों की अनदेखी करते हुए दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूजा स्थलों की सुरक्षा से संबंधित कानून (पूजा स्थल अधिनियम, 1991) की भावना और संवैधानिक मूल्यों के भी प्रत्यक्ष रूप से विरुद्ध है। डॉ. इलियास ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसआई) का पूर्व

रुख स्वयं इस स्थल की साझा धार्मिक प्रकृति को स्वीकार करता रहा है। कई दशकों तक एसआई के आधिकारिक रिकॉर्ड और साइनबोर्ड्स में इस स्थान को भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद के नाम से दर्ज किया जाता रहा, जो इसके विवादित और साझा धार्मिक स्वरूप की सरकारी मान्यता थी। इसके अतिरिक्त वर्ष 2003 की प्रशासनिक व्यवस्था के तहत हिंदुओं को मंगलवार के दिन पूजा, जबकि मुसलमानों को शुक्रवार की नमाज अदा करने की अनुमति थी। यह व्यवस्था स्वयं इस बात का स्पष्ट प्रमाण थी कि एसआई दोनों समुदायों के ऐतिहासिक दावों और इबादत के अधिकारों को मान्यता देता था। इसके बावजूद हाईकोर्ट द्वारा इस व्यवस्था को समाप्त करना एसआई के पूर्व रुख से विचलन है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने अदालत के समक्ष स्पष्ट रूप से यह दलील दी थी कि ऐतिहासिक राजस्व अभिलेखों में इस इमारत को लगातार मस्जिद के रूप में दर्ज किया गया है, जबकि ऐसा कोई निर्विवाद ऐतिहासिक प्रमाण मौजूद नहीं है जो यह सिद्ध करे कि इसी स्थान पर राजा भोज के काल का सरस्वती मंदिर स्थित था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि अदालत ने इन प्रामाणिक ऐतिहासिक और सरकारी अभिलेखों को उचित महत्व नहीं दिया।



आंधी-तूफान की तबाही और महंगाई की दोहरी मार, सरकार दे राहत : मायावती

‘महंगाई पर तत्काल नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की’

एजेंसी लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में हाल में आए भीषण आंधी-तूफान से हुई तबाही और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बहोतरी को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देने और महंगाई पर तत्काल नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में जबरदस्त आंधी-तूफान से हुई जान-माल की भारी तबाही से प्रभावित लोगों / परिवारों की मदद के लिए राज्य सरकार को अपनी पूरी उदारता बरतते हुये हर प्रकार से उनके सहयोग के लिये आगे आना चाहिये ताकि वे लोग अपने उजड़े/बिखरे हुये पारिवारिक जीवन को समेट कर दोबारा से अपनी जिन्दगी शुरू कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही, खासकर पेट्रोलियम पदार्थों आदि, इन आवश्यक वस्तुओं के मूल्य में अनवरत वृद्धि को जारी रखते हुये केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल व डीजल आदि की क्रीमत में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करोड़ों गरीबों व मेहनतकश परिवारों, खेती-किसानी आदि के साथ-साथ मिडिल क्लास के जीवन को भी बुरी तरह से प्रभावित करेगा, अर्थात् इस महंगाई का सीधा असर इन सबके परिवार के पालन-पोषण पर पड़ेगा। मायावती ने कहा कि सरकार को महंगाई व जीवन दुकर करने वाली इस प्रकार की नियमित वृद्धि को कम करने के लिए जरूरी सार्थक कदम उठाने चाहिये, यही समय की मांग है।



इराक के नए पीएम बने अली फलीह कदीम अल-जैदी, पीएम मोदी ने दी बधाई

एजेंसी नई दिल्ली/तेहरान। अली फलीह कदीम अल-जैदी इराक के नए प्रधानमंत्री चुने गए हैं। भारत के प्रधानमंत्री ने इराक के नए पीएम को बधाई देते हुए दोनों देशों की साझा तरक्की और खुशहाली के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद जताई। इसके साथ ही अल-जैदी इराक के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गए हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘अली फलीह कदीम अल-जैदी को इराक के प्रधानमंत्री का पद सभालने पर बहुत-बहुत बधाई। भारत इराक के साथ अपने पुराने और दोस्ताना रिश्तों को बहुत महत्व देता है और सभी क्षेत्रों में हमारे आपसी संबंधों को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूँ और हमारे दोनों देशों की साझा तरक्की और खुशहाली के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूँ।’ इराक के नए प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने सिर्फ एक अधूरे कैबिनेट के साथ शपथ ली है। सांसद इंटीरियर और डिफेंस समेत जरूरी पोस्टिंग पर आम सहमति नहीं बना पाए हैं; इसकी वजह से अधूरी कैबिनेट ने शपथ ली। सरकारी इराकी न्यूज एजेंसी (आईएनए) के मुताबिक, प्रधानमंत्री अल-जैदी समेत अन्य दूसरे मंत्रियों ने, गुरुवार को संवैधानिक पद की शपथ ली और फॉर्मल तौर पर अपनी जिम्मेदारी संभाली।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमेटी पर हुई उच्च-स्तरीय बैठक

● भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की केंद्रीय कृषि मंत्री ने की विस्तृत समीक्षा

‘इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबल फार्मिंग को बढ़ावा देकर किसानों की आय भी बढ़ाएंगे और धरती माँ को भी बचाएंगे’

एजेंसी नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमेटी (श्वस्रष्ट) से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज 12, सफदरजंग रोड स्थित उनके कैप कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक तथा डेयर सचिव डॉ एम

एल जाट ने केंद्रीय कृषि मंत्री को देशभर में आईसीएआर के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी विस्तार से



दी। उन्होंने भविष्य की कार्ययोजना से भी केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया तथा बताया कि भारतीय कृषि एवं किसान बहनों-भाइयों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए परिषद किस प्रकार कार्य कर रही है। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह

चौहान ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कृषि देश की बड़ी आबादी की जीविका का प्रमुख साधन है और भारतीय अर्थव्यवस्था

को एक मजबूत आधार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि हमारी सम्पूर्ण कोशिश और ऊर्जा इस दिशा में केंद्रित होनी चाहिए कि भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, कम लागत वाली तथा लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने

इंटीग्रेटेड फार्मिंग के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष बल देते हुए कहा कि किसान बहन-भाइयों को इसे व्यावहारिक रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा सतत कृषि (सस्टेनेबल फार्मिंग) को मजबूती मिलेगी। श्री चौहान ने कहा कि वैज्ञानिक कृषि आज समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत सहित विश्वभर में जलवायु परिवर्तन की समस्या अब प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने लगी है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्यों की कृषि-जलवायु (एग्रो-क्लाइमेटिक) परिस्थितियों के अनुरूप राज्यवार कृषि रोडमैप तैयार करने की दिशा में राज्यों की सहमति से तेजी से कार्य किया जाए।

मुनिश्री को फंसाने के लिए रचा गया ‘हनीट्रैप’ का घिनौना खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात की पावन धरती पर धर्म और आस्था के सीने में खंजर घोंपने वाली एक खौफनाक साजिश का पर्दाफाश हुआ है। जैन मुनि राजतिलक सागरजी महाराज को ‘हनीट्रैप’ के गंदे जाल में फंसाकर करोड़ों रुपये ऐंठने की कोशिश की गई है। यह सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि सनातन परंपराओं और साधु-संतों की साख पर एक ‘ब्लैकमेलिंग माफिया’ का सीधा और वीथलस हमला है। जांच की आंच जैसे-जैसे तेज हो रही है, समाज के ठेकेदार बने इन सफेदपोश भेड़ियों की खाल उतरनी शुरू हो गई है।

साजिश के खौफनाक पन्ने: ऐसे बुना गया पाप का जाल

महिला को मोहरा बना रची ब्लैकमेलिंग: किरण दोषी और उसके गुर्गों ने एक लाचार महिला को ढाल बनाकर मुनिश्री की वर्षों की तपस्या को चंद घंटों में नीलाम करने की घिनौनी



पटकथा लिखी। इनका मकसद सिर्फ करोड़ों की फिरोती वसूला था। शुरू की कैरेक्टर असेसिनेशन की फैक्ट्री: जब संतों ने इस ‘ठग सिंडिकेट’ की गौडड़-भभकियों के आगे झुकने से साफ इनकार कर दिया, तो सोशल मीडिया और अदालती दांव-पेचों के जरिए मुनिश्री के चरित्र हनन (पब्लिक मर्डर) का गंदा खेल शुरू किया गया। धर्म के चोले में छिपे ‘आस्तीन के सांप’: इस दलदल में हार्दिक हुडिया,

जगत पारेख, विक्रम सिंघवी और विक्रम बाफना जैसे नाम सामने आए हैं। खुद को ‘श्रावक’ बताने वाले ये वही गद्दार हैं, जिन्होंने शासन सेवा का मुखौटा पहनकर अंदर ही अंदर धर्म को खोखला करने की जुरत की है।

सणसणते सवाल: जो सत्ता और समाज की रूह कपा देंगे!

1. अदृश्य आका कौन?: इन प्यादों को करोड़ों की फिरोती मांगने की ताकत देने

वाला वह ‘असली मास्टरमाइंड’ किस आलीशान बंगले में बैठकर यह खेल ऑपरेट कर रहा है?

2. क्या पुलिस दिखावागी दम?: क्या गुजरात पुलिस इन रसूखदार ‘धर्म-द्रोहियों’ का कॉलर पकड़कर इन्हें जेल की चक्की पीसने पर मजबूर करेगी या ‘सेटिंग’ के नाम पर फाड़लें दबा दी जाएंगी?

3. समाज का बहिष्कार: क्या जैन समाज इन आस्तीन के सांपों का हुक्का-पानी बंद कर इन्हें बीच चौराहे पर बेनकाब करने का साहस दिखाएगा?

अंतिम ललकार: पाप का घड़ा भर चुका है!

साधु की साख से खेलने वालों की तिजोरियां चाहे कितनी भी भारी हों, कानून का हंटर और कुदरत का न्याय उन्हें राख कर देगा। यह लेखनी तब तक शांत नहीं होगी, जब तक एक-एक गद्दार सलाखों के पीछे नहीं पहुंचता। असली चेहरों के नकाब तो अभी फटने शुरू हुए हैं... महाविस्फोट की अगली कड़ी के लिए तैयार रहिए!

सेमिनार में कहीं। फ्रेममेंटेशन ऑफ प्यूजन एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म इटीग्रेसन विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के कई न्यायाधीशों के साथ केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। इससे पूर्व नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इन्फर्मेशन सेंटर में आयोजित सेमिनार में देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने फ्रेममेंटेशन ऑफ प्यूजन एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म इटीग्रेसन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एनुअल रिपोर्ट : 2025 का भी विमोचन किया गया। मुख्य

न्यायाधीश सूर्यकांत ने नर्मदा नदी का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे अमरकंटक से निकलने वाली छोटी धारा आगे चलकर विशाल स्वरूप ले लेती है, उसी प्रकार न्याय व्यवस्था में किए जा रहे छोटे-छोटे तकनीकी सुधार आने वाले समय में व्यापक परिवर्तन का आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में शुरू किए गए डिजिटल प्लेटफॉर्म और एप न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश ने पुलिस थाना, फॉरेंसिक लैब, मेडिकल सिस्टम, लौगल सेल, अदालत और जेल से संबंधित सूचनाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़ने का प्रयास किया गया है।

भारत में सूखा-भीषण गर्मी पड़ने की आशंका

● सुपर अल नीनो मई-जुलाई में एक्टिव होने, सर्दी तक रहने की संभावना

इससे मानसून कमजोर पड़ सकता है

एजेंसी नई दिल्ली। भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी ‘नेशनल ओशेनिक एंड एटमोस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन’ (नोआ) के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है। नोआ ने बताया कि प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह सकती है। पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61फीसदी थी, जो अब बढ़कर 82फीसदी हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के

अल-नीनो की संभावना 82फीसदी बढ़ी, दुनिया पर असर

नोआ के नए अपडेट के मुताबिक इस साल मई से जुलाई के दौरान सुपर अल नीनो डेवलप होने की 82फीसदी संभावना है। इसके सदियों (दिसंबर 2026 से फरवरी 2027) तक जारी रहने की 96फीसदी आशंका है। जबकि, इसके ‘स्ट्रॉंग’ या ‘वेरी स्ट्रॉंग’ रहने की करीब 67फीसदी आशंका है। इससे, कमजोर मानसून, सूखे और हीटवेव की आशंका अब ज्यादा हो गई है। ● भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में बारिश कम होती है। भीषण गर्मी पड़ती है। ● इंडोनेशिया, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में नमी खत्म होने से सूखा पड़ता है और जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाता है। ● मध्य प्रशांत क्षेत्र में समुद्र का तापमान बढ़ने से भारी बारिश और चक्रवात की स्थिति बनती है।

चीफ मूल्चुंज महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा।

भारत के कौन से इलाके सबसे ज्यादा जोखिम में

● उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति बनने का सबसे ज्यादा खतरा है, जिससे लंबे सूखे और कृषि नुकसान की आशंका बढ़ सकती है। ● पंजाब, हरियाणा और राजस्थान अगस्त-सितंबर के दौरान सबसे संवेदनशील राज्यों में माने जा रहे हैं। वहीं मध्य और पश्चिम भारत में जहां अच्छी बारिश होती है वहां भी सामान्य से कम बारिश की संभावना है। ● मध्य प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर और नर्मदागुफम संभागों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। ● हालांकि लद्दाख, राजस्थान के कुछ हिस्से, तेलंगाना, साथ ही उत्तर भारत के कुछ हिस्से में इसका असर कम होगा।

अल-नीनो क्या होता है

अल नीनो के कारण समुद्र का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है, जिसके साथ हवा के पैटर्न में भी बदलाव आता है। इसके असर से दुनियाभर में बारिश का चक्र बिगड़ जाता है। कहीं भयंकर सूखा तो कहीं मूसलाधार बारिश और बाढ़ आती है। सीधे शब्दों में कहें तो जब अल-नीनो एक्टिव होगा, तब प्रशांत महासागर से भारत की तरफ आने वाली मानसूनी हवाओं को रोक देगा। इससे बारिश पर असर पड़ेगा।





महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में महंगाई की मार एक बार फिर आम जनता और मिडिल क्लास पर पड़ी है। अब इसे लेकर रिक्शा चालक सड़कों पर उतर आए हैं। अहमदाबाद रिक्शा ड्राइवर्स यूनिटी यूनियन ने छहव गैस की लगातार बढ़ती कीमतों के खिलाफ जमकर विरोध शुरू कर दिया है। रिक्शा चालकों की मांग है कि या तो छहव गैस की कीमत कम की जाए या फिर महंगाई के हिसाब से रिक्शा किराए में तुरंत बढ़ोतरी को मंजूरी दी जाए।

एक महीने में 4 रुपये की बढ़ोतरी, रिक्शा चालकों की कमर तोड़ रही है

यूनियन के नेताओं के मुताबिक, पिछले एक महीने में ही छहव गैस की कीमत में करीब 4 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। एक तरफ पेट्रोल-डीजल और जरूरी चीजों की कीमतें आसमान छू रही हैं, वहीं छहव में इस लगातार बढ़ोतरी ने रिक्शा चालकों का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। रोज कमाने-खाने वाले गरीब और मिडिल क्लास रिक्शा चालकों के लिए अब अपना घर चलाना मुश्किल हो गया है। पिछली बार किराया 2023 में बढ़ाया गया था यूनियन के प्रतिनिधि ने दावा किया कि रिक्शा किराए में पिछली बार ऑफिशियल बढ़ोतरी 2023 में हुई थी। तब से गैस की कीमतें और दूसरे खर्चें काफी बढ़ गए हैं। रिक्शा ड्राइवरों का कहना है कि अगर सरकार गैस की कीमतों को कंट्रोल नहीं कर पा रही है, तो महंगाई की मौजूदा दर को ध्यान में रखते हुए रिक्शा के मिनिमम और रनिंग किराए में तुरंत बदलाव किया जाना चाहिए।

2.5 लाख लोगों पर सीधा असर पड़ सकता है

अहमदाबाद जैसे मेट्रो शहरों में रोजाना करीब 2.5 लाख लोग आने-जाने के लिए रिक्शा का इस्तेमाल करते हैं। अगर रिक्शा ड्राइवरों की मांगें नहीं मानी गईं, तो आने वाले दिनों में इन लाखों यात्रियों की परेशानी काफी बढ़ सकती है। यूनियन ने साफ तौर पर धमकी दी है कि अगर छहव गैस की कीमत कम नहीं की गई या किराया नहीं बढ़ाया गया, तो आने वाले दिनों में पूरे शहर में जोरदार आंदोलन और नाकाबंदी के साथ हड़ताल की जाएगी।

रानीप में एक पानीपुरी से पहले बाल और फिर हड्डी निकली..



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। के रानीप इलाके में डी-मार्ट के पास खड़े एक पानीपुरी वाले के यहां पानीपुरी खाने गई एक लड़की की पानीपुरी से हड्डी निकलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लड़की अपनी मां के साथ पानीपुरी खाने गई थी। पहले पानीपुरी से बाल निकले, लेकिन उसने ध्यान नहीं दिया। फिर, लड़की ने आखिरी पानीपुरी से हड्डी निकलने का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो की जांच नगर निगम का फूड डिपार्टमेंट कर रहा है।

पानीपुरी से बाल निकले

रानीप इलाके में डी-मार्ट के पास एक पानीपुरी से हड्डी निकलने का वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में लड़की कह रही है कि रानीप में डी-मार्ट के पास पानीपुरी बेचने वाला कृष्णा भेल है। कल, शुक्रवार, 15 मई को शाम 6:30 बजे एक लड़की अपनी मां के साथ पानीपुरी खाने वहां पहुंची। लड़की और उसकी माँ ने पानीपुरी खाई। जिसमें पानीपुरी खाते समय एक बार पानीपुरी में से बाल निकल आया लेकिन उन्होंने उसे कुछ नहीं बताया, जो हमारी गलती थी।

पानीपुरी में से हड्डी निकली

फिर आखिरी पानीपुरी जो मैंने खाई, उसमें पानीपुरी में से हड्डी निकली। जब मैंने उन्हें बताया तो मुझे बताया गया कि यह लकड़ी है। जब इसे पानीपुरी खाने आए बाकी चार लोगों को दिखाया गया तो उन्होंने भी कहा कि यह हड्डी है। जब हमने उन्हें दोबारा बताया तो उन्होंने हमें बताया कि यह लकड़ी है और हमसे कहा कि इसे काटकर दिखाओ और जब हमने इसे काटा तो यह नहीं कटी और फिर उन्होंने कहा कि यह हड्डी है और हमें माफ़ कर दो। हमसे गलती हुई, उन्होंने कहा कि हड्डी उड़ गई होगी। यह पूरा वीडियो वायरल होने के बाद जांच शुरू कर दी गई है।

राज्य सरकार ने टीचरों की सैलरी के लिए ग्रांट दी: 34 जिलों के लिए ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य सरकार ने प्राइमरी एजुकेशन डिपार्टमेंट के तहत काम करने वाले टीचरों और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों की मई, 2026 की सैलरी और महंगाई भत्ते के पेमेंट के लिए जिलेवार कुल ₹1,428.90 करोड़ की ग्रांट दी है। यह ग्रांट जिला पंचायतों और संबंधित ऑफिसों के जरिए दी जाएगी। बनासकांठा को सबसे ज्यादा ग्रांट मिली है, जबकि गांधीनगर शहर को अलग से ग्रांट दी गई है। सरकार के इस फैसले से राज्य भर के हजारों टीचरों और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों को सैलरी और भत्तों के समय पर पेमेंट में राहत मिलेगी। साथ ही, इस ग्रांट का इस्तेमाल सिर्फ सैलरी और महंगाई भत्ते के लिए ही करना होगा और इसका अकाउंट ऑडिट में रहेगा।

रानावा पुलिस ने 1,03,997 रुपये कीमत के छह गुम हुए मोबाइल फोन ढूंढकर आवेदक को लौटा दिए,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। रेंज के पुलिस डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल राजेंद्रसिंह चूड़ासमा और पोरबंदर के पुलिस सुपरिटेण्डेंट भागीरथसिंह जडेजा ने पोरबंदर जिले में खोए/चोरी हुए मोबाइल फोन की तलाश के बारे में खास निर्देश दिए हैं। जिसके बारे में, रानावा डिवीजन के पुलिस डिप्टी सुपरिटेण्डेंट ध्रुवल सी. सुतारिया के गाइडेंस में, रानावाव पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर बी. जी. डांगर, रानावाव पुलिस स्टेशन के स्टाफ की गाइडेंस और सुपरविजन में, रानावाव पुलिस स्टेशन के स्टाफ को खास निर्देश दिए गए हैं, जिसके अनुसार पुलिस सब इंस्पेक्टर आर. वी. मोरी और रानावाव पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने रानावाव इलाके में 1,03,997 रुपये कीमत के कुल 06 मोबाइल बरामद किए और उन्हें आवेदकों को पर्सनली सौंप दिया। गुम हुए मोबाइल के संबंध में आवेदकों द्वारा किए गए आवेदन के अनुसार सरकार द्वारा विकसित संसार सारथी सीई आईआर पोर्टल पर रणवावाव पुलिस स्टेशन के पुलिस उप निरीक्षक



आर.वी. आवेदक (1) साहिलकुमार सरमुखभाई चौधरी, रणवावाव निवासी के पास VIVO कंपनी का V 29 मोबाइल फोन कीमती रु. 32999/- है तथा (2) सागर भोजाभाई सौंदरवा, अमरदल निवासी के पास REALME कंपनी PRIME का मोबाइल फोन

कीमती रु. 11000/- है तथा (3) राणाभाई जगाभाई चावड़ा, खिरसारा निवासी के पास VIVO कंपनी T4 का मोबाइल फोन कीमती रु. 11999/- है तथा (4) किशोरभाई हाजाभाई भोगेसरा, भोगसर निवासी के पास REALME कंपनी

12C का मोबाइल फोन कीमती रु. 10000/- है तथा (5) अस्ताना मोहसिन मालेक, धोराजी निवासी के पास VIVO कंपनी VzG का मोबाइल फोन कीमती रु. 2899/- 10000/- है तथा (6) रामजीभाई जेठाभाई राठौड़, निवासी रानावाव नाओं का मोबाइल पोको कंपनी C।5 कीमती रु. 9000/- खो गया था, जो कि कुल रु. 1,03,997/- कीमत के 06 मोबाइल CEIR पोर्टल की सहायता से ढूंढ कर 'तेरा

तुजको अर्पण' कार्यक्रम के अंतर्गत आवेदकों को सौंपे गए हैं। इस कार्य को अंजाम देने वाले अधिकारी/कर्मचारी थे रानावाव पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक बी.जी. डांगर व पुलिस उपनिरीक्षक आर.वी. मोरी तथा पुलिस हेड कांस्टेबल बी.जे. दासा, ए.के. लुवा व पुलिस कांस्टेबल संजय वलाभाई, सरमन देवायतभाई, जयमल समतभाई, कुणालसिंह प्रवीणसिंह व भरत कानाभाई तथा आईटी एक्सपर्ट जेठाभाई देवायतभाई। इस प्रकार कुल 10 मोबाइल रु. 5,41,386 कीमत के ढूंढ कर तेरा तुजको अर्पण कार्यक्रम के अंतर्गत आवेदकों को सौंपे गए हैं। इस काम को करने वाले कर्मचारियों में माधवपुर पोस्ट ऑफिस के पी.इन्स. के.एन. ठाकरिया और पी.सब.इन्स. आर.डी. निनामा और पी.हेड. कंस. सी.एच. सोलंकी, ए.एम. चुडासमा और ए.वी. देगामा, पी.कॉन्स. नीलेशभाई मानसिंहभाई डोडिया और TI एक्सपर्ट मनीषभाई रायचुरा शामिल थे।

बंगाल के पुरुलिया जिले में आयोजित शिक्षण शिविरों का हुआ समापन 35 सराक जैन प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाकूड़ा। परम पूज्य सराकोध्वारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के 70 वें अवतरण दिवस के अवसर पर आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी महाराज, आ.स्वस्ति भूषण माता जी, आ. श्री आर्ष मति माता जी आ.श्री सुज्ञान मति माता जी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से उड़ीसा, झारखंड,पश्चिम बंगाल के विभिन्न अंचलों में आयोजन हो रहा है। पश्चिम बंगाल बाकूड़ा जिले के विभिन्न स्थानों पर 11 मई से 15 मई तक आयोजित शिक्षण शिविरों का समापन भव्य कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। ब्र.मंजुला दीदी, ब्र. मनीष भैया के निर्देशन में ग्रीष्मकालीन ज्ञान संस्कार बाल शिक्षण शिविरों का समापन विशिष्ट कार्यक्रम की उपस्थिति में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ।

आचार्य ज्ञानसागर जी के चित्र के समग्र दीपप्रज्वलन, मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। विद्वानों का सम्मान, स्थानीय शिविर सहयोगियों का सम्मान, बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। ज्ञान दर्पण भाग 1,2, पूजन प्रशिक्षण,मेहंदी, झाड़ा, सिलाई में प्रथम, द्वितीय,तृतीय पुरस्कार दिए गए एवं सभी शिविरार्थीओं को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। इसके साथ ही कक्षा 10वीं एवं 12 वीं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले 35 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र,मेडल,स्मृति



चिन्ह देकर सम्मान किया गया। शिक्षण शिविरों अध्यापन कराने हेतु शिविर मुख्य संयोजक मनीष शास्त्री विद्यार्थी सागर. संहसंयोजक पं. जयकुमार दुर्गा, पं. राजकुमार शास्त्री कर्द, पं. शिखर चंद्र जैन भिलाई विदुषी वहिन राखी जैन के द्वारा सफलतम आयोजन के लिए सम्मान सराक ट्रस्ट द्वारा किया गया।

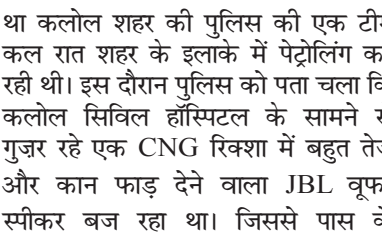
शिक्षण शिविरों के विषय में स्थानीय सराक ट्रस्ट अध्यक्ष के पुटुक जैन ने कहा कि ऐसे आयोजन से धर्म की प्रभावना होती है और यह हमेशा होते रहने चाहिए,शीतकालीन शिविरों के लिए अभी से हम लोगों का आमंत्रण है, हम सभी आपका सहयोग करेंगे। केंद्र कार्यकर्ता गौरांग जैन सराक ने कहा हमें आगे के कार्यक्रम के लिए अभी से तैयारी करनी पड़ेगी, तब जाकर हम बहुत अच्छे तरीके से कार्यक्रम कर सकेंगे।

शिविर संयोजक मनीष शास्त्री विद्यार्थी ने

हॉस्पिटल के पास तेज़ आवाज़ में वूफर बजाने वाले ड्राइवर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। ज़िले के कलोल शहर में, पुलिस ने पब्लिक जगहों पर नॉइज़ पॉल्यूशन फैलाने वाले लोगों पर नज़र रखी हुई है। कलोल शहर की पुलिस ने एक रिक्शा ड्राइवर को गिरफ्तार किया है और रिक्शा और 50,000 रुपये का सामान जब्त किया है। उस पर कलोल सिविल हॉस्पिटल जैसे सेंसिटिव इलाके के सामने पब्लिक रोड पर तेज़ आवाज़ में म्यूज़िक सिस्टम बजाकर पब्लिक शांति भंग करने का आरोप है। रिक्शा में कान फाड़ देने वाला तेज़ आवाज़ में वूफर स्पीकर बज रहा



था कलोल शहर की पुलिस की एक टीम कल रात शहर के इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को पता चला कि कलोल सिविल हॉस्पिटल के सामने से गुज़र रहे एक CNG रिक्शा में बहुत तेज़ और कान फाड़ देने वाला JBL वूफर स्पीकर बज रहा था। जिससे पास के

अहमदाबाद: भुयंगदेव में पैदल चलने वाले से मोबाइल फोन छीनकर चोर भागे, पूरी घटना CCTV में कैद



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में मोबाइल स्नैचिंग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं क्योंकि सड़कों पर चलने वाले पैदल चलने वाले सुरक्षित नहीं हैं। शहर के व्यस्त भुयंगदेव इलाके में बाइक सवार दो अनजान लोगों ने एक पैदल चलने वाले से मोबाइल फोन छीन लिया और पलक झपकते ही भाग गए। चोरी की पूरी घटना पास के CCTV कैमरे में कैद हो गई है।मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित युवक भुयंगदेव इलाके से पैदल गुजर रहा था। इसी दौरान पीछे से बाइक सवार दो अनजान बदमाश वहां पहुंचे। बाइक सवार ने पैदल चलने वाले के पास गाड़ी धीमी की और पीछे बैठे लोगों ने पैदल चलने वाले के हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया। इससे पहले कि पीड़ित कुछ समझ पाता, दोनों आरोपी अपनी बाइक पर मौके से भाग गए।

CCTV फुटेज से पता चला

इस आपराधिक कृत्य के सभी सुराग पास में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गए हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि आरोपी किस दिशा से आए थे और अपराध करने के बाद किस दिशा में भागे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अलर्ट हो गई। पुलिस के मुताबिक, CCTV फुटेज के आधार पर आरोपियों के बाइक नंबर और चेहरे की पहचान करने की कोशिश शुरू कर दी गई है।

31.40 लाख चुराए: नारनपुरा के एक मंदिर से चांदी, तांबे और पीतल की मूर्तियां चुराकर भाग गए

अहमदाबाद: सरखेज में एक बुजुर्ग दंपति के बंगले पर तस्करों ने धावा बोला,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

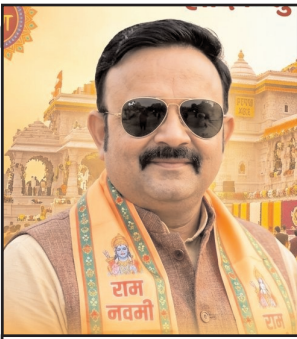
अहमदाबाद। में एक के बाद एक चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं क्योंकि तस्कर बेहम हो गए हैं। शहर के मकरबा और नारनपुरा इलाकों में तस्करों ने एक बंद घर और एक बुजुर्ग दंपति के बंगले को निशाना बनाया और लाखों रुपये की नकदी, गहने और मूर्तियां चुराकर भाग गए। दोनों घटनाओं को लेकर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और CCTV समेत टेक्निकल सबूतों के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। तस्करों ने एक बुजुर्ग दंपति के बंगले पर धावा बोला, 31.40 लाख चुराए मकरबा के साकेत बंगलोज में रहने वाले 85 साल के सौरभ शोधन ने सरखेज पुलिस स्टेशन में 31.40 लाख की चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। सौरभ शोधन अपने परिवार के साथ जॉइंट फैमिली में रहते हैं और प्लास्टिक फैक्ट्री चलाते थे। वह फिलहाल रिटायर्ड लाइफ जी रहे हैं। शिकायत के मुताबिक, कुछ दिन पहले सौरभ शोधन अपनी पत्नी के साथ बेडरूम में सोए थे। रात में अनजान तस्कर उनके बंगले में घुस आए। अगली सुबह जब वे उठे तो गार्डन साइड का दरवाजा खुला मिला। घर चेक करने पर सारा सामान अस्त-व्यस्त हालत में मिला और सेफ भी खुला मिला। सौरभ शोधन ने अपने बेटे और बहू को घटना की जानकारी दी।



अमेरिकन डॉलर, कैश और सोने के गहने चोरी जांच के दौरान, घर से लगभग सात हजार अमेरिकन डॉलर समेत कुल आठ लाख रुपये कैश और 23.40 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने, कुल 31.40 लाख रुपये चोरी होने का पता चला। घटना की जानकारी मिलने पर सरखेज पुलिस, डॉंग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम की टीम मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस ने आसपास के CCTV कैमरों और घर के स्टाफ की फुटेज समेत कई दिशाओं में जांच शुरू कर दी है। मंदिर से चांदी, तांबे और पीतल की मूर्तियां चोरी दूसरी तरफ, नारनपुरा इलाके के शास्त्रीनगर में रहने वाली अंकिताबेन राजपूत ने भी नारनपुरा पुलिस स्टेशन में चोरी की

शिकायत दर्ज कराई है। अंकिताबेन अपने परिवार के साथ जॉइंट फैमिली में रहती हैं। उनके पति मयूरभाई और बेटा आर्ट एंड क्राफ्ट का बिजनेस करते हैं। शिकायत के मुताबिक, जब मयूरभाई बिजनेस के लिए अमेरिका गए थे, तो वे तांबे और पीतल की मूर्तियां लाए थे। फिलहाल, अंकिताबेन अपने परिवार के साथ अपनी मां के घर रहने गई थीं क्योंकि उनके घर में रेनोवेशन का काम चल रहा था। इसी दौरान तस्करों ने बंद घर को निशाना बनाया और घर में घुस गए। तस्करों ने घर में रखी चांदी की मूर्तियां और तांबे और पीतल की मूर्तियां चुरा लीं और भाग गए। घर लौटने के बाद, चोरी के बारे में पता चलने पर अंकिताबेन ने नारनपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

कब तक होगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

करोंगे लोग नीट परीक्षा
लीक कांड की जांच को
अब धूमिल होते देख रहे
हैं। तसल्ली उन
अभिभावकों को भी कर
लेनी चाहिए, जो न्याय की
उम्मीद लिए बैठे हैं।
निष्पक्ष जांच-पड़ताल की
आस अब इसलिए भी नहीं
की जा सकती। क्योंकि
पूरा सिस्टम जांच छोड़कर,
बड़ी मछलियों को बचाने
में ही जुटेगा।



न्यौंकी वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है। अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रगतिश्रि भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा के केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है। अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्नपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हों। अगर खुद ना खास्ता कुछ हों भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा कराई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो। अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षाथर्थियों के साथ खिलवाड़ न होता।

मे आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लोको होता है जिसमें पुलिस भी और शिक्षा परीक्षाएं कुछथात है। जबकि, नई परीक्षा नौकरा या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी संभारों, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लोक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जाते हुई परीक्षा और आयोजितों के नाम सावजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उपक्रेद या मोटा हजारां स्रला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुर्मान से आरोगी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते

संपादकीय

चौतरफा महंगाई

वृहस्पतिवार को जारी सरकारी आंकड़ों से पता चला कि एक माह के भीतर ही थोक महंगाई दर दुगुनी हो गई है। जो कि पिछले 42 महीनों के उच्चतम स्तर पर जा पहुँची है। अब शुक्रवार को पेट्रोल व डीजल तथा सीएनजी के दामों में वृद्धि ने आम आदमी को व्यथित कर दिया। जाहिर है पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि से न केवल यातायात महंगा हो जाता है बल्कि मालभाड़ा बढ़ने से हर चीज के दामों में उछाल आ जाता है। वहीं रोजमर्रा का सामान बनाने वाली कंपनियाँ दुहाई दे रही हैं कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि से उनकी उत्पादन लागत में दस से बीस फीसदी की वृद्धि हुई है। फलतः इन कंपनियों ने छूट व प्रचार खर्च में कटौती कर के भंडारण क्षमता व आपूर्ति शृंखला को मजबूत करना प्राथमिक लक्ष्य बनाया है। अतः देश की एफएमसीजी रोजमर्रा के सामान की लागत बढ़ने व मुनाफे पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिये चरणबद्ध तरीके से वस्तुओं के दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। यह भी हकीकत है कि पिछली निमाही में ये एफएमसीजी पहले ही तीन से पांच प्रतिशत की वृद्धि वस्तुओं की कीमतों में कर चुकी हैं। फलतः आम उपभोक्ता को अभी और महंगाई को झेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि रुपये के गिरते मूल्य ने भी कीमतें बढ़ाने का दबाव बनाया है। कंपनियाँ अपना मुनाफा बनाये रखने के लिये कीमतें बढ़ाने और पैकेजबंद उत्पादों की मात्रा घटाने की रणनीति पर काम कर रही हैं। अशुका जतायी जा रही है कि पेट्रोल व डीजल के दामों में तीन-तीन रुपये की वृद्धि के बाद टेलीकॉम कंपनियाँ रिचार्ज प्लान बढ़ा सकती हैं। उनका दावा है कि मोबाइल टॉवर को चलाने में आने वाला 40 फीसदी खर्च सिर्फ पेट्रोल और बिजली पर होता है। यह खर्चा टैरिफ बढ़ाकर ग्राहकों पर डाला जा सकता है। वहीं सरकारी तेल कंपनियाँ कह रही हैं कि होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बाद उन्होंने मायूली वृद्धि पेट्रोल व डीजल के दामों में की है। निश्चित रूप से पश्चिम एशिया संकट के चलते उपजे हालात न बनाया है कि भारत को ऊर्जा सुरक्षा नीति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रधानमंत्री द्वारा इंधन की खपत को कम करने के आह्वान के कुछ दिन बाद ही पेट्रोल, डीजल व सीएनजी के दामों में बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी चार साल से अधिक समय में पहली बार की गई है। निस्संदेह, खाड़ी संकट से उपजे हालात में कीमतों में यह वृद्धि अनिवार्य लग रही थी। माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु आदि राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के चलते ही सरकार ने यह कदम देर से उठाया है। चुनाव परिणाम आने के बाद जब हैदराबाद में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से इंधन खपत में कटौती करने का आग्रह किया था, तो संकेत माना गया कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि हो सकती है। सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान की ओर इशारा करते हुए मूल्य वृद्धि का बचाव किया है। रिपोर्ट बताती है कि देश के सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेलर्स रोजाना एक हजार करोड़ का नुकसान उठा रहे हैं, जबकि कच्चे तेल की कीमत सौ डॉलर प्रति बैरल थी। निस्संदेह, पहले ही मुद्रास्फीति व स्थिर आय से जुड़ा रहे नागरिकों को सरकार का यह दलील गले नहीं उतरेगी। वैसे भी चुनावी रणनीति के मद्देनजर संचालित आर्थिक निर्णय सार्वजनिक विश्वास में कमी लाते हैं। जाहिर बात है कि करोड़ों मध्यम वर्गीय परिवार, किसान व छोटे व्यवसाय चलाने वाले लोगों के लिए बढ़ी इंधन दरें जल्दी ही भोजन, परिवहन और आवश्यक वस्तुओं को महंगा बना देती हैं।

चिंतन-मनन

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुँचे हुए संत के पास पहुँचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए आपका का प्रयास करता हूँ। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। साथ मुझे भरे मन की एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएँ। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहाँ पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूँगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुँचे हुए संत उसके घर पधारेँगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चाँदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूँ। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहाँ रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कुराए हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएँगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा प्रपेकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।



दिलीप कुमार पाठक

के रल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की बंपर जीत के बाद कांग्रेस आलाकमान ने एक बहुत बड़ा और सकारात्मक राजनीतिक फैसला लिया है। दिल्ली दरबार ने किसी भी गुटबाजी के अंगे न झुकते हुए केरल के लोकप्रिय नेता वी. डी. सीताराम को नया मुख्यमंत्री चुनकर देश भर के कार्यकर्ताओं को एक ठोस संदेश दिया है। यह संदेश जनता की तरफ से नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस नेतृत्व की ओर से आया है, जिसने यह जता दिया है कि अब पार्टी पुराने ढर्रे और गलतियों से सबक सीख चुकी है।

आलाकमान का यह कदम साफ इशारा करता है कि संसद को ज़ाबुत करने के लिए अब केवल जमीन पर पसीना बहाने वाले चेहरों को ही तवज्जो में ज़ागी जागी काग्रेस के इतिहास में लंबे समय से एक बड़ी कमजोरी रही है, जहां जमीन पर रात-दिन काम करनेवाले ज़ागले जनप्रिय नेताओं की जगह दिल्ली में लॉबींग करनेवाले नेताओं को कामान सौंप दी जाती थी। मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनावों में जनात और कार्यकर्ता दिल



ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलौई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना के एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जर्नलेबाज उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अगले व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएँ पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होना उठता है कि आखिर हम बदले कहाँ हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएँ क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी ही नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहाँ महिला को आज भी पारंपरिक के समान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, अनेक उपयोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी बलिक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएँ असुरक्षा का अनुभव करती

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के बुनियादी स्तरों में समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के विनाशकारी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदना नहीं दी जा रही। घरों में बैठियों पर नियंत्रण और बेटों को छुट्टी देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को हर्षावधान रहनेहू की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की



से चाहते थे कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट जैसे ऊजावर्तन युवाओं को मुम्बईमें बनाया जाए। लेकिन दिल्ली दरबार ने पुराने समीकरणों का प्राथमिकता देते हुए कमलनाथ और अशोक ढालोत के हाथों में सत्ता सौंप दी। नतीजा यह हुआ कि संगठनत्वहीन कमजोर होता गया और अंरुन्नी कलह से राज्यों में बनी-बनाई सरकारें हाथ से निकल गईं या कमजोर हो गईं। ठीक ऐसा ही हाल आज कर्नाटक और हरियाणा में भी देखने को मिल रहा है। कर्नाटक में सिद्धासुरमैया और डी. के. शिक्कुमार के बीच की खींचतान और हरियाणा में डॉ. के. आंतरिक गुटबाजी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को पहुँचाया है। केरल के ताजा फैसले से भारी कटाईओं में यह बड़ी उम्मीद जगी है कि आलाकमान अब बहुत

जल्द कार्नाटक और हरियाणा की इस आपसी लड़ाई को भी इसी कड़े नेतृत्व के साथ हमेशा के लिए दूर करेगा। पार्टी के शीर्ष नेताओं को अब बिना वक्त गंवाए इन दोनों राज्यों के मतभेदों को सुलझाना चाहिए ताकि वहां भी संगठन को एकजुट और मजबूत किया जा सके। केरल में लिया गया यह फैसला पूरी पार्टी के लिए एक बेहतरीन नजिर बन गया है।

वी. डी. सतीशन पिछले पांच सालों से विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में लगातार सरकार को घेर रहे थे और कार्यकार्तओं के सुख-दुख में साथ खड़े थे। आलाकमान ने जमीनी हकीकत को सर्वोपरि मानकर उनके नाम पर मुर लगाई। इससे पैराशूट नेताओं का दौर खत्म हुआ है और कार्यकार्तओं में नया उत्साह जागा है।

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

मयार्द सिखाने की गंधीर कोशिश बहुत कम दिखार्द देती है। यहाँ असंजलन ओगे चलकर अपराधों की जीर्णोद्धार तैयार करता है। प्रश्न यहाँ है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्णया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े फास्ट ट्रेक कोर्ट, पुलिस गवर्न और सार्वजनिक प्रविक्क में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कार्गो और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कंडे स्थानों पर चाल और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाले बलात्कार की घटनाएँ, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टी-सी-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएँ एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, डेडिखानी, भ्रूण हत्या और देहज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बावजूद संचालित होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। घटना घटने के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिचारों की बेटियाँ इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुखा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बनती हैं? इसके कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि

सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है—उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधे आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकेगा।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को डंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को श्रम में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैमक बटन और निर्यातित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई ह्रमहिता मुद्दा नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है। जब तक स्त्री को समान सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकास के सपने दावे अधूरे रहेंगे।

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं

हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लोक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

एप्रिल एका गजून २०१७ में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालोंने के घेरे में रही। ५ मई २०२४ को भी जज इसी नोट परीक्षा में गडबडझा हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोसा दिया था? पर, बेशर्मी देखिये मात्र २४ महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड हुआ। पिछली दफा इन्होंने कई छात्रों को पूरे-पूरे ७२० नंबर दे डाले थे,जबकि वो सभी छात्र छत्र प्रवेश में सामान्य थे उनके मुकाबले टॉपर्स को उनसे कहीं कम नंबर दिए गए थे। इस बार तो उससे भी बड़ा ब्लंडर हुआ। पेपर लीक की सूचना सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकली। जहां, कई छात्रों के पास १४० से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हबहब प्रश्न गेस पेपरों में मिले।

लोक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई। कि प्रश्न प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि प्रेसों पर कागज की छपाई होती है जहां परिदृश भी नहीं माना जाता। बेहद पुराना स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है। समय का तकाजा है। ऐसी विधि केंद्रीय लेबल पर बननी चाहिए, ताकि छात्रों के जीवन से कोई खिलवाड़ न कर पाए। केंद्र सरकार को आगे आकर हस्तक्षेप करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा कांड में हुकूमत की चुप्पी सभी को अखर रही है। ऐसी घटनाओं के घट जाने के बाद छात्र सिर्फ सफाई से ही न्याय की उम्मीद करते हैं। उनकी उम्मीदें नहीं टूटनी चाहिए।

उन्हें यह भरोसा मिला है कि अब दिल्ली की पैरवी नहीं, बल्कि जमीन पर किया गया काम ही नेता तब करेगा। इस निर्णय के साथ ही विपक्ष का वह एजेंडा भी पूरी तरह हवा में उड़ गया, जिसमें दुष्प्रचार किया जा रहा था कि होने वाले मुख्यमंत्री इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के पसंदीदा हैं और कांग्रेस तृष्ठीकरण के रास्ते पर चल रही है। सतीशन की धर्मनिरपेक्ष और बेदाग छवि ने इस पूरे राजनीतिक एजेंडे को ध्वस्त कर दिया है। क्यों कि मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने से ठीक पहले, वी. डी. सतीशन ने तिवनन्तपुरम के ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर जाकर भगवान विष्णु की पूरी विध्व-विशाल से पूजा-पाठ की और उनका आशीर्वाद लिया। पारंपरिक सफेद मुंडू और शॉल में उनका मंदिर की ये तस्वीरें यह साफ करती हैं कि वे जनता की सांस्कृतिक आस्थाओं का किनारा गहराई से सम्मान करते हैं। और सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। कुल मिलाकर, केरल के बहाने कांग्रेस आलाकमान ने खुद को बदलने और सुधारने का एक बड़ा संदेश दिया है। अब पार्टी को बिना समय गंवाए कर्नाटक और हरियाणा जैसे राज्यों में चले रहे पुराने मजदूजाल की भी पूरी तरह साफ करना होगा। जब तक दिल्ली से थोपे जाने वाले फैसलों को बंद करके जमीनी संघर्ष करने वालों को हक नहीं मिलेगा, जब तक पूरे देश में संगठन मजबूत नहीं हो सकता। केरल का यह नया मॉडल ही कांग्रेस के भविष्य की असली राह है जिससे पूरे देश की राजनीति प्रभावित होगी।

(लेखक पत्रकार हैं)
(यह लेखक के व्यक्तित्वगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियाँ बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रकाशसिक्त विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठपंथे में खड़ा करती रहेंगी। प्रश्न यही है- आखिर कब तक ? समाज जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के बावजूद भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजिहार हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करें और किससे शादी करें, संत-शिखा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उतने हकों से वंचित किया जा रहा है, आज पर तरह-तरह की बर्देसों एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। हृदयस पूज्यते नार्यसु तत्र प्रभते देवगह्ल- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उससे हथभोग की वस्तुहू समझकर आदमी हृदयाने तर्वेहू से हूइरस्तेमलभक्त कर रहा है, यह बेबंद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्तों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शकल बदल-बदल कर काले अभ्याय रच रही हैं। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

है लेखक के व्यक्तित्व विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना अचानक हुई या फिर इस पीछे पहले से कोई रंजिश थी। मामले में डीसीपी सेंट्रल जॉन विक्रमवीर ने बताया कि पीड़ित परिवार व तहरीर पर मुकुदमा दर्ज कर लिए जा चुके हैं। आरोपी की गिरफ्तारी की लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

मध्यप्रदेश & महाराष्ट्र
महाराष्ट्र में बड़ा फेरबदल, 78 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का ट्रांसफर, IPS तेजस्वी सातपुते प्रमोट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह विभाग में बड़े फेरबदल किए गए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री देवेद्र फडणवीस ने इस मामले में अहम फैसले लिए हैं। जिनके पास गृह मंत्री का भी प्रभार है। महाराष्ट्र पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों दोनों के ही तबादले किए गए हैं। भोंदू बाबा अशोक खरात से जुड़े मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल की प्रमुख तेजस्वी सातपुते का भी तबादला कर दिया गया है। तेजस्वी सातपुते को पुणे क्राइम ब्रांच का अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। हालांकि यह भी बताया गया है कि अशोक खरात मामले की जांच तेजस्वी सातपुते के ही प्रभार में जारी रहेगी।

दत्तात्रेय कराले का भी तबादला

नासिक रेंज के विशेष पुलिस महानिरीक्षक दत्तात्रेय कराले का भी तबादला कर दिया गया है। इसकी पुष्टि हो गई है कि अब नासिक रेंज के नए पुलिस महानिरीक्षक के तौर पर प्रवीण पडवाल कार्यभार संभालेंगे। पूरे राज्य में पुलिस उप महानिरीक्षक रैंक के 10 अधिकारियों के तबादले के आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रैंक के 24 वरिष्ठ अधिकारियों का भी तबादला किया गया है। इनके अलावा 44 अन्य अधिकारियों का भी तबादला किया गया है। 10 पुलिस उप महानिरीक्षकों के तबादले मुंबई में राज्य आरक्षित पुलिस बल की पुलिस उप महानिरीक्षक मोक्षदा पाटिल का तबादला कर दिया गया है। मोक्षदा पाटिल को ग्रेटर मुंबई के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के तौर पर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रियंका नारनवारे का तबादला ग्रेटर मुंबई में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) के पद से हटाकर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम मुंबई में पुलिस उप महानिरीक्षक और मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर किया गया है। तेजस्वी सातपुते को प्रमोशन के माध्यम से पुणे शहर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) के पद पर नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे पुणे स्थित राज्य आरक्षित पुलिस बल, समूह संख्या 1 की कमांडेंट के तौर पर कार्यरत थीं। अशोक दुधे को पदेनत्व के माध्यम से मुंबई स्थित राज्य आरक्षित पुलिस बल के पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे मुंबई स्थित राज्य खुफिया विभाग के उपायुक्त के तौर पर कार्यरत थे। दक्षित गेदम को बृहन्मुंबई में पुलिस उपायुक्त के पद से प्रमोट कर बृहन्मुंबई का अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। कृष्णकांत उपाध्याय को बृहन्मुंबई में पुलिस उपायुक्त के पद से पदेनत कर बृहन्मुंबई का अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। प्रवीण मुंघे को मुंबई में पुलिस उपायुक्त के पद से पदेनत कर मुंबई का अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। योगेश गुप्ता को पुलिस अधीक्षक (जिनके पास DIG, गढ़चिरोली का प्रभार था) के पद से पदेनत कर गढ़चिरोली का पुलिस उप महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। राकेश ओला को पुलिस अधीक्षक (जिनके पास अमरावती का प्रभार था) के पद से पदेनत कर अमरावती का पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। महेश्वर रेड्डी को पुणे में अपराध जांच विभाग के पुलिस अधीक्षक के पद से पुणे में अपराध जांच विभाग का पुलिस उप महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस रैंक के 24 अधिकारियों का तबादला कृष्ण प्रकाश का तबादला एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, फोर्स वन के पद से एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ट्रेनिंग) के पद पर कर दिया गया है।देवता कराले का तबादला स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, नासिक रेंज, नासिक के पद से स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, राज्य मानवाधिकार आयोग के पद पर कर दिया गया है। प्रवीण पडवाल का तबादला स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ट्रेनिंग) के पद से स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, नासिक रेंज, नासिक के पद पर कर दिया गया है। लक्ष्मी गौतम का तबादला जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम), ग्रेटर मुंबई के पद से स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (कानून-व्यवस्था), महाराष्ट्र राज्य, मुंबई के पद से जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (कानून-व्यवस्था), ग्रेटर मुंबई के पद पर कर दिया गया है। सुहेल ह्क का तबादला स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (योजना और समन्वय), महाराष्ट्र राज्य, मुंबई के पद से जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (प्रशासन), मुंबई के पद पर कर दिया गया है। महेश पाटिल को एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस, पूर्वी क्षेत्र, मुंबई के पद से पदेनत कर स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस(योजना और समन्वय), महाराष्ट्र राज्य, मुंबई के पद पर कर दिया गया है। महेश पाटिल को एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस, पूर्वी क्षेत्र, मुंबई के पद से पदेनत कर स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस(योजना और समन्वय), महाराष्ट्र राज्य, मुंबई के पद पर नियुक्त किया गया है। परमजीत दहिया को एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस, मुंबई के पद से पदेनत कर स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, आतंकवाद निरोधक दस्ता के पद पर नियुक्त किया गया है। सी.के. मीणा का तबादला स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, आतंकवाद निरोधक दस्ता के पद से स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, कोंकण रेंज के पद पर कर दिया गया है। संजय दराडे का तबादला स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, कोंकण रेंज के पद से जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, पुणे के पद पर कर दिया गया है।

डॉबिवली के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में चोरी, दानपेटी से पैसे निकालते रंगे हाथ पकड़ा गया शातिर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई के रियायशी डॉबिवली एमआईडीसी इलाके में स्थित प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में शुक्रवार सुबह एक चोर को दानपेटी से पैसे चुराते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सुबह करीब 6:34 बजे हुई और मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई। जानकारी के मुताबिक आरोपी खुद को श्रद्धालु बताकर मंदिर में दर्शन करने के बहाने दाखिल हुआ। कुछ देर मंदिर में रुकने के बाद उसने कथित तौर पर गोंद लगी एक पतली लकड़ी की छड़ी की मदद से दानपेटी में रखे नोट बाहर निकालने शुरू कर दिए।

कैसे पकड़ा गया चोर?

बाद में मंदिर प्रबंधन ने सीसीटीवी फुटेज देखते समय सदिग्ध हरकत देखी। इसके बाद मंदिर के कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर शिंदे और सुबह दर्शन के लिए आए श्रद्धालु ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया, इससे पहले कि वह वहां से भाग पाता। इसके बाद आरोपी को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए मानपाडा पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया। दानपेटी से काफी रकम निकाल चुका था चोर पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी दानपेटी से काफी रकम निकाल चुका था, तभी उसे पकड़ा गया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वह पहले भी इलाके में ऐसी चोरी की घटनाओं में शामिल है। डॉबिवली एमआईडीसी इलाके का सिद्धिविनायक मंदिर स्थानीय लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है।

नीले ड्रम के बाद अब हरा ड्रम कांड... मैरिड गर्लफ्रेंड से मिलने गया था, एक महीने बाद नाले में मिली लाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र राज्य के ठाणे के मुंब्रा से दादर जाने की बात कहकर निकला अरबाज खान अचानक लापता हो गया. परिवार एक महीने तक तलाश करता रहा, लेकिन जब पुलिस ने केस सुलझाया तो कहानी ने सबको चौंका दिया. अरबाज की सड़ी-गली लाश वसई के नाले में एक हरे ड्रम के अंदर मिली. जांच में सामने आया कि प्रेम संबंध के चलते प्रेमिका, उसके पति और अन्य लोगों ने मिलकर हत्या की साजिश रची थी. नीले ड्रम कांड की कहानी के बाद अब हरे ड्रम की सनसनीखेज कहानी महाराष्ट्र के ठाणे से सामने आई है. अरबाज खान नाम का युवक घर से यह कहकर निकला था कि काम के पैसे लेने दादर जा रहा हूं. परिवार ने सोचा शाम तक लौट आएगा. लेकिन वो शाम कभी नहीं आई. और एक महीने बाद उसकी तलाश खत्म हुई... एक हरे रंग के ड्रम में बंद सड़ी-गली लाश के साथ. यह मामला दहला देने वाला है, जिसमें पुलिस भी एक महीने तक उलझी रही. 3 अप्रैल की बात है. मुंब्रा का रहने वाला अरबाज खान घर से निकला. परिवार को बताया कि दादर जा रहा है,

दिल्ली में NEET परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा ने की खुदकुशी, पुलिस को भनक लगे बिना शव को श्मशान ले गए परिजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली. पिछले कुछ साल से मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आजादपुर इलाके में अपने घर में कथित रूप से खुदकुशी कर ली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हालांकि घटनास्थल से कोई 'सुसाइड नोट' नहीं मिला, लेकिन मृतक के परिवार वालों को संदेह है कि नीट परीक्षा रह होने के कारण उसने यह कदम उठाया। अधिकारी ने बताया कि युवती के परिजन घटना की सूचना पुलिस को दिए बिना ही शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले गए और दावा किया कि उन्हें ऐसे मामलों में कानूनी प्रक्रिया के बारे में जानकारी नहीं थी।

कोई सुसाइड नोट नहीं मिला

अधिकारी ने कहा, 'पीड़ित नोट अभ्यर्थी थी। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि उसने यह कदम क्यों उठाया। जांच के दौरान कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।' राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पेपर लीक के आरोपों के बीच मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए तीन मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) मंगलवार को रद्द कर दी।

देश के 15 राज्यों में बारिश और तूफान का अलर्ट, दिल्ली में मौसम को लेकर IMD की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली समेत समूचा उत्तर भारत भीषण गर्मी की चपेट में है। ऐसे वक़्त में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बड़ा अपडेट दिया है। आईएमडी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब सहित 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का गुरदासपुर, फाजिल्का, अमृतसर, होशियारपुर और मुक्तसर में बिजली कड़कने के साथ भयंकर आंधी-तूफानी की संभावना है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने सकती हैं। मौसम विभाग ने 16 मई से 20 मई तक पंजाब के कई हिस्सों में लू यानी हॉटवेव की स्थिति के लिए 'थानी अलर्ट' जारी किया है। दिल्लीवासियों को लेकर आईएमडी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार की सुबह सुहावनी रही और न्यूनतम तापमान लगभग 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह राष्ट्रीय राजधानी और उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में

कई हिस्सों में आंधी-बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने आंधी-बारिश का पूर्वानुमान जताया है। इसके साथ ही

'विदेशी यात्राओं से बचें', दिल्ली CM रेखा गुप्ता की सरकारी अधिकारियों और जनता से अपील

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनता से विदेशी यात्राएं टालने की अपील की है. सरकार ने मंत्रियों-अधिकारियों के विदेशी दौरै और बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम स्थगित करने को कहा है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विदेशी यात्राओं से बचने की अपील की है. उन्होंने कहा, 'जनता से हमारी अपील है कि इस पूरे साल विदेशी यात्राएं नहीं करें, तो अच्छा होगा.' इसके अलावा रेखा गुप्ता ने सरकारी अधिकारियों और मंत्रियों से अपील करते हुए कहा, ' मैं सरकार के लेवल पर कहना चाहती हूं कि दिल्ली सरकार के कोई मंत्री या अधिकारी अगले एक साल तक ऑफिशियल फॉरेन बिजिट नहीं करें. हमारे जो प्रोग्राम तय थे, उनको स्थगित कर दिया गया है. ' सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'ऐसे ही दिल्ली सरकार की ओर से बड़े पब्लिक इवेंट या कॉन्फ्रेंसेज अगले तीन महीने हम रिकप करेंगे. हम ऐसे बड़े इवेंट नहीं करेंगे, जिनसे बड़े स्तर पर लोगों का आवागमन हो. ' मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दिल्ली के लिए हम विशेष रूप से ट्रेवल प्रोग्राम डिजाइन करवाएंगे, जिससे अगर बाहर के लोग दिल्ली आकर घूमना चाहें तो उन्हें इसकी सुविधाएं मिल सकें. पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर इंधन बचाने के लिए कुछ अपील की थी. पीएम मोदी की



जहां उसे काम के कुछ पैसे लेने हैं. लेकिन रात हुई, फिर अगला दिन, फिर कई दिन बीत गए- अरबाज घर नहीं लौटा. परिवार ने तलाश शुरू की. फोन बंद. कोई सुराग नहीं. आखिरकार पिता ने पुलिस के पास जाकर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई. यहां तक कहानी एक आम मिसिंग केस जैसी लगती है. लेकिन असली कहानी मोबाइल की लोकेशन से सामने आई. मुंब्रा पुलिस ने कॉल डिटेल्स खंगाले. पता चला कि जिस दिन अरबाज गायब हुआ, उसकी आखिरी लोकेशन वसई में थी. पुलिस ने एक और नंबर ट्रेक किया- उसकी प्रेमिका मेहजबीन शेख का. चौंकाने वाली बात ये कि उसी दिन, उसी इलाके में उसकी लोकेशन भी थी. यहीं

दिल्ली में NEET परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा ने की खुदकुशी, पुलिस को भनक लगे बिना शव को श्मशान ले गए परिजन



पुनपरीक्षा 21 जून को निर्धारित की गई है।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया

पुलिस ने बताया कि गुरुवार को आदर्श नगर थाने को जानकारी दी गई कि एक लड़की का शव पुलिस को बिना सूचना दिए केवल पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के लिए लाया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मृतक की पहचान की, जो आजादपुर के लाल बाग की निवासी थी। पुलिस ने तुरंत शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए उसे बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल भेज दिया।अधिकारी ने बताया कि अपराध दल और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के अधिकारियों ने भी घटनास्थल का मुआयना किया

से कहानी ने मोड़ लिया. पुलिस ने मेहजबीन को उठाया. शुरुआत में उसने वही कहा जो आमतौर पर ऐसे मामलों में कहा जाता है- मुझे कुछ नहीं पता. लेकिन तकनीकी सबूत सामने रखे गए, पूछताछ तेज हुई और फिर कहानी खुलने लगी. मेहजबीन ने बताया कि अरबाज सिर्फ प्रेमी नहीं था, बल्कि उसके और उसके पति के बीच तनाव की वजह बन चुका था. पति हसन को दोनों के रिश्ते की भनक लग चुकी थी. इसके बाद जो हुआ, वो किसी क्राइम शो का एपिसोड लग सकता है. प्लान बनाया गया. अरबाज को बहाने से वसई बुलाया गया. कहा गया कि पैसे मिल जाएंगे. लेकिन वहां उसका इंतजार प्यार नहीं, मौत कर रही थी. पुलिस के मुताबिक, मेहजबीन, उसका पति हसन, भाई तारिक शेख और भाई का दोस्त मुआजम पठान-चारों ने मिलकर अरबाज को फंसाया. पहले उससे पैसे मांगे गए. मतलब प्रेम संबंध का इस्तेमाल करके फिरौती की साजिश रची गई. कितना पैसा मांगा गया, पुलिस अभी जांच कर रही है. लेकिन जब अरबाज रकम नहीं दे पाया, तो मामला सीधे हत्या तक पहुंच गया.

और घर से सबूत इकट्ठा किए।

पुलिस को कैसे पता चला ये मामला?

श्मशान घाट के पुजारी रिकू शर्मा ने पत्रकारों को बताया, 'गुरुवार शाम को परिवार के सदस्य एक युवती के अंतिम संस्कार के लिए हमारे पास आए। जब मैंने उनसे मृत्यु का कारण पूछा, तो उन्होंने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से बीमार थी और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।' उन्होंने कहा, 'जब मैंने मृतक का आधार कार्ड और अस्पताल के रिकॉर्ड मांगे, तो उन्होंने आधार कार्ड तो दिखाया लेकिन कोई भी मेडिकल दस्तावेज उपलब्ध नहीं कर सके, जिससे संदेह पैदा हुआ।' शर्मा ने कहा, 'जब मैंने शव की जांच की, तो मुझे गर्दन के आसपास एक निशान दिखाई दिया जो संदिग्ध लग रहा था। कुछ गड़बड़ महसूस करते हुए, मैंने पुलिस को सूचना दी।' मृतक के मामा ने दावा किया कि नीट यूजी 2026 के रद्द होने के बाद से युवती तनाव में थी। उन्होंने शवगृह के बाहर पत्रकारों को बताया, 'वह एक होशियार छात्रा थी और पिछले कुछ वर्षों से नीट की तैयारी कर रही थी। उसके माता-पिता ने मुझे बताया कि मंगलवार को परीक्षा रद्द होने के बाद वह परेशान थी।

17 मई को दिल्ली में बदल सकती है मौसम

मौसम विभाग ने पहले ही अनुमान जताया था कि 16 मई को दिल्ली में आसमान साफ रहेगा। ऐसा ही मौसम देश की राजधानी में नजर आ रहा। तेज चिलचिलाती धूप से आम जनजीवन प्रभावित है। अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। 17 मई को तापमान और बढ़कर 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि आसमान में आंशिक रूप से बादल छाप रहने और आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।

17 मई को दिल्ली में बदल सकती है मौसम

मौसम विभाग ने पहले ही अनुमान जताया था कि 16 मई को दिल्ली में आसमान साफ रहेगा। ऐसा ही मौसम देश की राजधानी में नजर आ रहा। तेज चिलचिलाती धूप से आम जनजीवन प्रभावित है। अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। 17 मई को तापमान और बढ़कर 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि आसमान में आंशिक रूप से बादल छाप रहने और आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।

अहमदाबाद, (रविवार) 17 मई 2026 6

सोनिया गांधी वोटर लिस्ट विवाद: राऊज एवेन्यू कोर्ट में दली सुनवाई, अब 4 जुलाई को थमेगी सबकी नजरें!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल उस रिवीजन पिटीशन पर सुनवाई टल गई, जिसमें बिना भारतीय नागरिकता हासिल किए वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने का आरोप लगाया गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई को होगी।

पिछली सुनवाई ने दिया था निर्देश

पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों को एक सप्ताह के भीतर अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसी दौरान शिकायतकर्ता के वकील विकास त्रिपाठी ने चुनाव आयोग से प्राप्त कुछ दस्तावेजों को कोर्ट रिकॉर्ड पर रखने की अनुमति मांगी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

याचिकाकर्ता ने लगाया आरोप

सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता की ओर से कहा गया कि फिलहाल उनकी मांग ट्रायल शुरू कराने की नहीं है बल्कि पुलिस जांच करवाने की है। उनका कहना था कि मामले में कई ऐसे सवाल हैं, जिनकी निपट्य जांच जरूरी है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी, लेकिन उनका नाम वर्ष 1980 की नई दिल्ली की मतदाता सूची में पहले से मौजूद था।

याचिकाकर्ता ने उठाया सवाल

याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब 1983 में नागरिकता मिली तो फिर 1980 की वोटर लिस्ट में उनका नाम किस आधार पर शामिल किया गया था। याचिका में यह भी पूछा गया है कि क्या उस समय वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए किसी फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल किया गया था। नाम हटाने की पूछी वजह इसके अलावा याचिका में यह भी दावा किया गया है कि वर्ष 1982 में सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था। शिकायतकर्ता ने सवाल किया है कि आखिर नाम हटाने की वजह क्या थी और इसके पीछे कौन से दस्तावेज या प्रक्रिया अपनाई गई थी। अब इस पूरे मामले पर अदालत 4 जुलाई को आगे की सुनवाई करेगी, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

बिना PUC अब NCR में भी नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल, 1 अक्टूबर से लागू होगा नियम

	
महानगर मेट्रो ब्यूरो	

दिल्ली। NCR में प्रदूषण कम करने के लिए CAQM ने तीन बड़े फैसले लिए हैं. 1 अक्टूबर 2026 से No PUC, No Fuel नियम लागू होगा. पराली जलाने पर सख्त निगरानी, किसानों के लिए मशीन और मॉनिटरिंग सिस्टम बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही 2027 से NCR में नए CNG और डीजल ऑटो पर रोक लगाकर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाएगा. दिल्ली-NCR में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग यानी CAQM ने तीन बड़े और कड़े फैसले लिए हैं. इन फैसलों का असर वाहन चालकों से लेकर किसानों और ऑटो सेक्टर तक पर पड़ेगा. सरकार का उद्देश्य क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करना और पर्यावरण को सुरक्षित बनाना है. सबसे पहले CAQM ने No PUC, No Fuel नियम को NCR में लागू करने का निर्णय लिया है. यह नियम 1 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगा. इसके तहत बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र यानी PUC प्रमाण पत्र वाले वाहनों को पेट्रोल और डीजल नहीं मिलेगा. पहले यह नियम सिर्फ दिल्ली में लागू था, लेकिन अब इसे पूरे NCR में लागू किया जाएगा. पेट्रोल पंपों पर ANPR कैमरों से वाहनों की जांच की जाएगी और नंबर स्कैन होते ही PUC की स्थिति सामने आ जाएगी. दूसरा बड़ा फैसला पराली जलाने की समस्या को लेकर है. CAQM ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को 2026 तक पराली जलाने की घटनाएं पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य दिया है. इसके लिए हर गांव के खेतों की मैपिंग की जाएगी और 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी तैनात किया जाएगा. हॉटस्पॉट गांवों में 50 किसानों पर निगरानी रखी जाएगी. पराली प्रबंधन की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए वेब आधारित डैशबोर्ड बनाया जाएगा. जिला और ब्लॉक स्तर पर पराली प्रोटेक्शन फोर्स तैनात होगी जो पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर निगरानी करेगी. रात के समय पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी और सैटेलाइट से निगरानी कर पराली जलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी. दोषियों पर रेड एंटी और पर्यावरण जुर्माना लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं.

महाराष्ट्र: महंगे इलाज से नाराज मरीज ने अस्पताल में रखा 'बम', ATS ने किया गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र में पुणे की एंटी-टेररिजम स्क्वाड ने नागपुर से शिवाजी राठौड़ नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है. उस पर पुणे के हडपसर स्थित 'उषा किरण' अस्पताल में नकली बम रखकर दहशत फैलाने और ब्लैकमेल करने का आरोप है. शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी ने इलाज के भारी-भरकम बिल से नाराज होकर बदला लेने के इरादे से इस घटना को अंजाम दिया था. हॉस्पिटल में तब हड़कंप मच गया, जब परिसर में नकली बम बरामद किया गया. आरोपी ने कथित तौर पर इलाज के बिल से नाराज होकर अस्पताल में एक नकली बम रखा दिया था. आरोप है कि आर्थिक विवाद से नाराज आरोपी ने हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन पर दबाव बनाने के लिए बाथरूम में एक संदिग्ध उपकरण रख दिया. जांच में सामने आया है कि उसने धमकी देने के इरादे से नकली बम तैयार किया था. पुणे पुलिस के अमिर्तेश कुमार का कहना है कि आरोपी शिवाजी राठौड़ 10 मई को एक सेक्सअली ट्रांसमिटेड डिजीज के इलाज के लिए उषा किरण अस्पताल आया था. इलाज के दौरान उसे करीब 7 लाख रुपये का बिल थमाया. राठौड़ का मानना था कि अस्पताल प्रशासन उसका आर्थिक शोषण कर रहा है, जिसे लेकर उसने बदला लेने की साजिश रची थी. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अस्पताल के बाथरूम से बरामद उपकरण कोई असली विस्फोटक नहीं था. आरोपी का मकसद सिर्फ दहशत का माहौल बनाना था. जांच में खुलासा हुआ है कि राठौड़ ने अस्पताल के बाथरूम में संदिग्ध उपकरण रखा था. उसने ड्रिवाइस बनाने के लिए 150 रुपये का टाइमर खरीदा था. नकली जिलेटिन स्टिक्स को चिपकाने के लिए उसके पास कोई चिपकने वाला पदार्थ नहीं था



हिंदुस्तान कॉपर का मुनाफा 137 फीसदी बढ़कर 444 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 137.3 प्रतिशत बढ़कर 444.27 करोड़ रुपये रहा। बताया जा रहा है कि बेहतर राजस्व के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। वित्त वर्ष-2024-25 की मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 187.18 करोड़ रुपये था। चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 58 प्रतिशत बढ़कर 1,156 करोड़ रुपये रही, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 731.40 करोड़ रुपये थी। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इकिटी शेयर 1.86 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के बाद लागू होगा। निदेशक मंडल ने निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के माध्यम से 500 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़ने से व्यापारिक संगठन चिंतित

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों पर भी पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि ने व्यापारिक संगठनों को चिंतित कर दिया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने चेतावनी दी है कि इसका असर पूरे व्यापारिक ढांचे पर पड़ेगा, जिससे महंगाई बढ़ेगी और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति प्रभावित होगी। सीटीआई के एक व रिष्ठ अधिकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर सबसे बड़ा असर पड़ेगा, जहां ट्रकों का दैनिक डीजल खर्च 250-300 रुपए तक बढ़ जाएगा। इससे माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स महंगे होंगे। दिल्ली के थोक बाजारों में बाहर से आने वाले सामान का भाड़ा 3 से 5 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, जिससे कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, मसाले समेत विभिन्न उत्पाद महंगे होंगे। छोटे व्यापारी और रेस्तरांट भी डिलीवरी वैन व जेनरेटर की बढ़ी लागत से जुड़ेंगे, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं। संगठन का अनुमान है कि बढ़ती महंगाई के कारण उपभोक्ता गैर-जल्दरी खर्चों में कटौती करेंगे, जिससे कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और खानपान सेक्टर में बिक्री 5-8 प्रतिशत तक घट सकती है। ऑटो, ई-रिक्षा व कैब का क्रियाय बढ़ने से बाजारों में फुटफॉल घटेगा। यह वृद्धि पूरी सल्पाई चैन और आम उपभोक्ता पर भारी पड़ेगी।

अप्रैल में निर्यात ने मरी ऊंची उड़ान, सोने के आयात से व्यापार घाटा बढ़ा

सोना-चांदी के बढ़ते आयात से घाटा तीन महीने के शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संकट और आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं के बावजूद भारत के वस्तु निर्यात ने अप्रैल में शानदार प्रदर्शन किया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार यह 13.8 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक है। हालांकि, सोने और चांदी के बढ़ते आयात ने व्यापार घाटे को 28.38 अरब डॉलर पर पहुंचा दिया, जो तीन महीने का उच्च स्तर है। कुल आयात भी 10त बढ़कर 71.94 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सन्वित ने बताया कि कमांडिटी कीमतों में तेजी और भारतीय उद्योगों के बाजार विविधीकरण प्रयासों से निर्यात को बढ़ावा मिला। पेट्रोलियम उत्पाद (34.7त बढ़कर 9.59 अरब डॉलर) और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं निर्यात वृद्धि के प्रमुख वाहक रहे। चीन और सिंगापुर को निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जबकि होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ व्यापार प्रभावित हुआ। आयात पक्ष पर, सोने का शिपमेंट 81.7 फीसदी बढ़कर 5.63 अरब डॉलर हो गया, जिससे व्यापार घाटे पर दबाव बढ़ा। चांदी का आयात भी दोगुना से अधिक हुआ। सेवाओं का निर्यात भी 13.4त की वृद्धि के साथ 37.24 अरब डॉलर रहा, जिससे भारत को 20.58 अरब डॉलर का अनुमानित सेवा व्यापार अधिशेष मिला। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंत्य बना रहा।

18700 रुपए किलो चांदी के दाम गिरे एक दिन में चांदी की गिरावट और तेजी , बाजार हैरान

ई टी एफ में चांदी की गिरावट में चार बड़े कारण

मुंबई ।

मजबूती ने कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा दिया है। जानकारों का कहना है कि महंगाई के आंकड़े उम्मीद से अधिक आने के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर डॉलर की ओर रुख किया। इसके चलते सोना और चांदी दोनों कमजोर हुए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में औद्योगिक मांग घटने और बड़े निवेशकों की बिकवाली ने भी चांदी की कीमतों को नीचे खींचा।

हालांकि बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि यह गिरावट लंबे समय तक नहीं रह सकती। औद्योगिक उपयोग और वैश्विक मांग बढ़ने पर आने वाले समय में चांदी में फिर तेजी

देखने को मिल सकती है। फिलहाल निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी नीति बैठक पर टिकी हुई है।

आरबीएल बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण को वित्त मंत्रालय ने दी मंजूरी

देश में करीब 26,850 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। इससे देश में करीब 26,850 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ हो गया है। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की ओर से भेजे गए एक पत्र में इस प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी कुल चुकता इकिटी शेयर पूंजी के 49 प्रतिशत से अधिक और 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी लेने के लिए दी गई है। इस अधिग्रहण सौदे को घोषणा 18 अक्टूबर, 2025 को की गई थी। इसे भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय निवेशों में से एक माना जा रहा है। प्राथमिक पूंजी निवेश के तौर पर करीब तीन अरब डॉलर (करीब 26,850 करोड़ रुपये) का निवेश किया जाएगा। यह बैंक को वृद्धि के अपने अगले चरण के लिए मजबूत स्थिति में लाएगा।प्रस्तावित निवेश के तहत एमिरेट्स एनबीडी बैंक तरजीही निर्गम के जरिये 280 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 959,045,636 इकिटी शेयरों को खरीदेगा। इस सौदे के बाद आरबीएल बैंक में इस विदेशी बैंक की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से 74 प्रतिशत के बीच रह सकती है, जो नियामकीय शर्तों पर निर्भर होगी।लेनदेन के बाद बैंक में विदेशी बैंक की अनुपुंजी इकाई वाला मॉडल लागू होगा और एमिरेट्स एनबीडी बैंक को प्रवर्तक के रूप में मान्यता मिलेगी। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक और प्रतिस्पर्धा आयोग भी इस अधिग्रहण प्रस्ताव को मंजूरी दे चुके हैं।

ईंधन कीमत वृद्धि का लाभ धो डालेगी रुपये की गिरावट-रिपोर्ट

3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि से मिली 52,700 करोड़ की राहत

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग ने अपनी इकोरैप रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में और गिरावट से तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को वाहन ईंधन की कीमतों में ह्रा ल ही में की गई बढ़ोतरी से मिलने वाला पूरा लाभ समाप्त हो सकता है। यह चिंता ऐसे समय में आई है जब

शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर 95.81 पर बंद हुआ। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के मद्देनजर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर के बढ़ोतरी की थी। इस कदम से ओएमसी को खुदरा बिक्री पर हो रहे नुकसान (अंडर-रिकवरी) में करीब 52,700 करोड़ रुपये की राहत मिल सकती है, जो वित्त वर्ष

2026-27 में अपेक्षित कुल नुकसान का लगभग 15 प्रतिशत है। हालांकि, रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि रुपये में मौजूदा औसत स्तर से केवल दो रुपये की और कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल के आयात की लागत इतनी बढ़ जाएगी कि ईंधन मूल्य वृद्धि का पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, रुपया पहले ही एक महत्वपूर्ण गिरावट स्तर के करीब है, जिसके बाद और कमजोरी से लाभ खत्म हो सकता है।

एसबीआई रिपोर्ट में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के हवाले से यह भी बताया गया है कि तेल विपणन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जो सालाना लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये बैठता है।

वैश्विक तेल उछला, रूस-वेनेजुएला को मिली आर्थिक संजीवनी

ब्रेंट क्रूड 120 डॉलर के पार, पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली ।

ईरान में जारी युद्ध के कारण पिछले दो महीनों से दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव में हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबर्दस्त उछाल से पेट्रोल-डीजल सहित परिवहन और खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे वैश्विक महंगाई बढ़ रही है। इस संकटपूर्ण माहौल के बावजूद, रूस और वेनेजुएला जैसे दो प्रमुख तेल उत्पादक देशों ने अप्रत्याशित रूप से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतें 72 डॉलर से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस तेजी का सबसे बड़ा फायदा रूस को हुआ, जिसने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद अपने उल्लस कच्चे तेल की कीमतों और निर्यात राजस्व में भारी वृद्धि देखी। मार्च 2026 में उसका तेल निर्यात करीब 19 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे यूक्रेन युद्ध के चलते आए आर्थिक दबावों से निपटने में मदद मिली। रूस भारत और चीन जैसे देशों को पुराने टैंकरों (शैडो फ्लीट) के जरिए बड़े पैमाने पर तेल भेज रहा है, पहले छूट पर और अब ऊंची कीमतों पर। दूसरी ओर वेनेजुएला ने भी इस संकट का लाभ उठाया है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले इस देश का उत्पादन अमेरिकी प्रतिबंधों और खराब प्रबंधन के कारण लंबे समय से गिर रहा था। लेकिन ईरान संकट के बाद अमेरिका ने तेल आपूर्ति बनाए रखने के लिए वेनेजुएला पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील दी। अमेरिकी कंपनी शेवॉरॉन को उत्पादन की अनुमति मिलने के बाद वेनेजुएला का तेल उत्पादन अब 9 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को नई जान मिली है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि ऊंची तेल कीमतें जहां इन दो देशों को राहत दे रही हैं, वहीं तेल आयात करने वाले देशों में महंगाई और आर्थिक दबाव तेजी से बढ़ रहा है, जबकि पारंपरिक उत्पादक पूरी तरह फायदा नहीं उठा पा रहे।

जैन इरिगेशन को 19 करोड़ रुपए का घाटा नई दिल्ली ।

जैन इरिगेशन सिस्टम्स को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 19 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। मुख्य रूप से अधिक खर्च के कारण कंपनी का घाटा बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसे 27.86 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कुल आय मार्च तिमाही में बढ़कर 1,824.63 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 1,750.15 करोड़ रुपये थी। हालांकि इस दौरान खर्च बढ़कर 1,774.91 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,703.71 करोड़ रुपये था।पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 39.99 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 25.69 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था।कुल आय बढ़कर 6,413.31 करोड़ रुपये हो गयी जो एक साल पहले 5,793.24 करोड़ रुपये थी।

बाजार में तूफान- पीएम मोदी की किफायत अपील और वैश्विक तनाव ने भारतीय शेयर बाजार को हिलाया

शुरुआती भारी गिरावट के बाद शेयर बाजार में दिखी मामूली रिकवरी, रुपया भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई ।

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उथल-पुथल भरा रहा, जो निवेशकों के धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के लोगों से किफायत बरतने की अपील के बाद बाजार में भूचाल आ गया, जिससे शुरुआती कारोबारी दिनों में प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस गिरावट को और गहरा कर दिया। डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जो देश की आर्थिक चिंताओं को बढ़ा रहा था। हालांकि, हफ्ते के मध्य से बाजार में कुछ रिकवरी देखने को मिली, लेकिन शुक्रवार को हुई आखिरी सत्र की बिकवाली ने हफ्ते भर की

राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट सोमवार की गिरावट का अंक टूटकर 23,379.55 पर आ रहा और बाजार पर दबाव और बढ़ गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बिकवाली ने बाजार को और नीचे धकेल दिया। शुरुआती कारोबार में ही संसेक्स 525.44 अंक और निफ्टी 164.5 अंक नीचे आ गया। दिन के अंत में संसेक्स 1,456.04 अंक की बड़ी गिरावट

के साथ 74,559.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर आ गया। गिरावट पर लगाम, बाजार में स्थिरता- दो दिनों की भारी बिकवाली के बाद बुधवार को बाजार में कुछ स्थिरता देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के बाद, हालांकि सूचकांक नकारात्मक दायरे में फिसल गए, लेकिन दिन के अंत में बिकवाली पर लगाम लग्यो। तीस शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 पर बंद हुआ।

सेल का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 1,680 करोड़ पर

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का एकल आधार पर मुनाफा 42 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1,680 करोड़ रुपये रहा।सेल एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 1,178 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 30,813 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 29,316 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इकिटी शेयर 2.35 रुपये के अंतिम लाभांश को भी मंजूरी दी है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ बढ़कर 3,233 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में यह 2,148 करोड़ रुपये था।वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की परिचालन आय 1,10,810 करोड़ रुपये रही, जो 2024-25 में 1,02,478 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ए. के. पंडा ने कहा कि बिक्री मात्रा में वृद्धि के साथ माल-भंडार और अथारी में कमी ने हमारी लाभप्रदता को और मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप कर-पूर्व लाभ और कर-पश्चात लाभ में वृद्धि दर्ज की गई है।

एनएसई आईपीओ से पहले ब्रोकरेज की हिस्सेदारी न्यूनतम स्तर पर

डीम्युचुअलाइजेशन और हितों के टकराव से बचने के उपायों ने बाजार संचालन को बेहतर बनाया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) में ब्रोकरेज कंपनियों की हिस्सेदारी उसके बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले तेजी से घट रही है। यह गिरावट मार्च 2019 के उच्चतम स्तर 53.9 फीसदी से मार्च 2026 तक अनुमानित 35.6 फीसदी तक पहुंच गई है, जो मार्च 2016 के बाद का सबसे निचला स्तर होगा। इस बदलाव का मुख्य कारण डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया और हितों के टकराव से बचने के लिए किए गए नियामकीय उपाय हैं। भारत सरकार ने 2000 के दशक की शुरुआत में स्टॉक एक्सचेंजों में डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया शुरू की थी। इसका उद्देश्य ट्रेडिंग अधिकारों को एक्सचेंज के संचालन से अलग करना था, ताकि ब्रोकर अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए बाजार के कामकाज को प्रभावित न कर सकें। एनएसई की स्थापना ही एक डीम्युचुअलाइड संस्था के रूप में हुई थी, जिससे वह इस दिशा में पहले से ही अग्रसर था। बाजार के जानकारों के अनुसार ब्रोकरों के हित आज भी स्टॉक एक्सचेंजों के साथ जुड़े हुए हैं। वे अपने फीडबैक और क्लाइंट्स को बाजार में लाकर इसके विकास में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाते हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में ट्रेडिंग वॉल्यूम में भारी वृद्धि के बावजूद ब्रोकरों की विफलताओं की घटनाओं में कमी के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के समय पर किए गए नियामकीय हस्तक्षेपों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह भारतीय बाजारों की प्रगति और दुनिया के बाकी बाजारों की तुलना में इसके उच्च मानकों का प्रमाण है, जो एक मजबूत इकोसिस्टम को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ये उपाय समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। गौरतलब है कि 2019 में हिस्सेदारी में हुई बढ़ोतरी का श्रेय भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा आईडीबीआईबैंक में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने को दिया जा सकता है, क्योंकि बैंक को एक ट्रेडिंग सदस्य के रूप में वर्गीकृत किया गया था। एलआईसी की खरीद के बाद, इसे ट्रेडिंग सदस्य के सहयोगी के रूप में वर्गीकृत किया गया, जिससे कुल हिस्सेदारी बढ़कर 53 फीसदी से अधिक हो गई थी। यह आंकड़ा ब्रोकरों की वास्तविक हिस्सेदारी में वृद्धि नहीं, बल्कि वर्गीकरण संबंधी एक बदलाव का परिणाम था। कुल मिलाकर, यह रुझान भारतीय पूंजी बाजार की परिपक्वता और मजबूत नियामक ढांचे को दर्शाता है।

ब्रिटेन के स्टील प्रतिबंध से भारत-ब्रिटेन एफटीए की राह मुश्किल

दोनों देश रचनात्मक समाधान की तलाश में

नई दिल्ली (ईएमएस) । ब्रिटेन के नए इस्पात आयात प्रतिबंधों के कारण भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अब देरी से लागू हो सकता है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि ब्रिटेन के इन इस्पात संबंधी उपायों को एफटीए वार्ता के दौरान उभान में नहीं रखा गया था। अग्रवाल ने कहा कि दोनों देश इन मुद्दों से निपटने के लिए विशिष्ट एवं रचनात्मक समाधान तलाश रहे हैं ताकि प्रस्तावित व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता जल्द लागू हो सके। यह समझौता पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षरित हुआ था और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मई में इसके प्रभावी होने की उम्मीद जताई थी। ब्रिटेन 1 जुलाई 2026 से शुल्क-मुक्त इस्पात आयात पर सीमा लागू करेगा, जिससे कुल कोटा मौजूदा संरक्षण उपाय की तुलना में 60 प्रतिशत कम हो जाएगा। इस स्तर से अधिक आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगेगा। 2025-26 में भारत से ब्रिटेन को 89.34 करोड़ डॉलर मूल्य के इस्पात उत्पादों का निर्यात हुआ, जो ब्रिटेन को होने वाले कुल भारतीय निर्यात का एक

बर्जर पेंटस ने बाजार में भरा रंग, शेयर 11 फीसदी उछले, ब्रोकरेज भी उत्साहित

मार्च तिमाही के दमदार नतीजों और वित्त वर्ष 27 की मजबूत संभावनाओं से निवेशकों में जोश

नई दिल्ली ।

देश की दूसरी सबसे बड़ी पेंट कंपनी बर्जर पेंट्स के शेयरों ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया है। मार्च तिमाही के मजबूत नतीजों और वित्त वर्ष 2027 के लिए उज्ज्वल संभावनाओं के चलते कंपनी के शेयर करीब 11 फीसदी तक उछल गए हैं। ज्यादातर ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी की

भविष्य की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक राय व्यक्त की है, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। दमदार तिमाही प्रदर्शन और वृद्धि के प्रमुख कारक-बर्जर पेंट्स ने मार्च तिमाही में बिक्री में 6 फीसदी की शानदार बढ़त हासिल की, जो पिछले 12 तिमाहियों में कारोबार वृद्धि का सबसे ऊंचा स्तर है। कंपनी की एकल बिक्री में सालाना आधार पर 11.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। इस प्रदर्शन में कीमतों में वृद्धि से पहले चैनल द्वारा किए गए स्टॉक और बाजार में मांग में सुधार का अहम योगदान रहा। प्रीमियम इमल्शन उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता, बेहतर उत्पाद मिश्रण और चौथी तिमाही के अंत में की गई कीमतों में वृद्धि ने भी बिक्री मूल्य को 6.7 फीसदी ऊपर ले

जाने में मदद की। इस्क्रिस सिक्वोरिटीज जैसे विश्लेषक उम्मीद कर रहे हैं कि भले ही चैनल में स्टॉक जमा होने के कारण चौथी तिमाही के ऊंचे वृद्धि स्तरों से कुछ सामान्यीकरण हो, लेकिन भविष्य में वैल्यू ग्रोथ, वॉल्यूम ग्रोथ से आगे निकल जाएगी। ब्रोकरेज फर्मों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 9-10त राजस्व वृद्धि का अनुमान लगाया है।

जाने में मदद की। इस्क्रिस सिक्वोरिटीज जैसे विश्लेषक उम्मीद कर रहे हैं कि भले ही चैनल में स्टॉक जमा होने के कारण चौथी तिमाही के ऊंचे वृद्धि स्तरों से कुछ सामान्यीकरण हो, लेकिन भविष्य में वैल्यू ग्रोथ, वॉल्यूम ग्रोथ से आगे निकल जाएगी। ब्रोकरेज फर्मों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 9-10त राजस्व वृद्धि का अनुमान लगाया है।

●●●●●

●●●●●

●●●●●



हर माता-पिता की यह चाहत होती है कि उनका बच्चा सेहतमंद, तंदुरुस्त और अपनी उम्र के हिसाब से अच्छे से विकास करे। बच्चे का कद, वजन, मानसिक विकास और शारीरिक क्षमता सही दिशा में बढ़ रही है या नहीं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। केवल बाहरी लक्षणों को देखकर अंदाजा लगाना हमेशा सही नहीं होता। कई बार बच्चों की ग्रोथ धीमी हो रही होती है लेकिन मां-बाप को इसका पता देर से चलता है। ऐसे में समय-समय पर कुछ

जरूरी मेडिकल टेस्ट करवा लेना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि बच्चों की सही ग्रोथ जानने और किसी परेशानी की पहचान करने के लिए कुछ बेसिक हेल्थ टेस्ट जरूर करवाए जाने चाहिए। ये टेस्ट पोषण, ग्रोथ हार्मोन और शरीर के बाकी जरूरी फंक्शन को समझने में मदद करते हैं।

ग्रोथ हार्मोन लेवल टेस्ट

यह टेस्ट यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि बच्चे के शरीर में ग्रोथ हार्मोन सही मात्रा में

नहीं। अगर ग्रोथ हार्मोन की कमी हो जाए, तो बच्चे की हाइट रुक सकती है और ओवरऑल ग्रोथ भी धीमी हो सकती है। इस टेस्ट से यह भी जाना जा सकता है कि बच्चा अवसर थका-थका क्यों रहता है, मांसपेशियां कमजोर क्यों हैं और कद क्यों नहीं बढ़ रहा। अगर कोई दिक्कत मिले, तो सही समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट

थायरॉइड हार्मोन शरीर के

बच्चों की ग्रोथ जानने के लिए कराएं ये 5 जरूरी टेस्ट, हर पेरेंट्स को होनी चाहिए इसकी जानकारी

विकास और दिमाग की ग्रोथ में बहुत अहम रोल निभाता है। अगर थायरॉइड में गड़बड़ी हो जाए, तो बच्चे की ग्रोथ रुक सकती है, वजन अचानक बढ़ या घट सकता है और बच्चा सुस्त पड़ सकता है। इस टेस्ट से यह भी पता लगाया जा सकता है कि बच्चा पढ़ाई में ध्यान क्यों नहीं दे पा रहा या हर समय थका-थका क्यों लगता है।

विटामिन डी और कैल्शियम लेवल टेस्ट

बच्चों की हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी और कैल्शियम बहुत जरूरी हैं। अगर इनकी कमी हो जाए, तो बच्चे की हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, चलने में देरी हो सकती है और बार-बार मांसपेशियों में खिंचाव

या दर्द की शिकायत हो सकती है। इस टेस्ट से हड्डियों की हेल्थ का अंदाजा लगता है और जरूरत पड़ने पर सप्लीमेंट या डाइट में बदलाव किया जा सकता है।

हीमोग्लोबिन और आयरन लेवल टेस्ट

हीमोग्लोबिन और आयरन की कमी बच्चों में थकान, चिड़चिड़ापन और विकास में रुकावट का कारण बन सकती है। अगर बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है, खाना नहीं खाता या ध्यान नहीं लगाता, तो यह टेस्ट जरूर करवाएं। यह टेस्ट पोषण स्तर और एनीमिया जैसी दिक्कतों की पहचान करता है ताकि सही इलाज शुरू हो सके।

ब्लड शुगर और मेटाबोलिज्म प्रोफाइल

यह टेस्ट यह बताता है कि बच्चे का शरीर खाने को कैसे पचा रहा है और ऊर्जा में कैसे बदल रहा है। अगर बच्चा मोटा हो रहा है, बार-बार प्यास लग रही है, कमजोरी महसूस कर रहा है या अचानक वजन बढ़ या घट रहा है, तो यह टेस्ट करवाना जरूरी है। इससे डायबिटीज या मेटाबोलिज्म से जुड़ी समस्याओं का भी पता चलता है। समय रहते डॉक्टर की सलाह लेकर ये टेस्ट करवा लेने से किसी भी बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है और बच्चे को सेहतमंद भविष्य दिया जा सकता है।

किसी से भी मिलने में शर्माता है बच्चा, ऐसी टिप्स जो झिझक को करेगी दूर

सोशल स्किल्स यानी सामाजिक कौशल हर इंसान के लिए बहुत जरूरी होते हैं। जो लोग बिना झिझक के किसी से भी बात कर लेते हैं उन्हें न सिर्फ उनकी पर्सनल लाइफ में बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी बहुत फायदा होता है। ऐसे लोग जिंदगी की दौड़ में अवसर आगे रहते हैं और कई बार लीडिंग रोल भी निभाते हैं।



सोशल स्किल्स का विकास बचपन से होता है। लोगों में ये सोशल स्किल्स बचपन से ही विकसित होने लगती हैं। सभी माता-पिता यही चाहते हैं कि उनका बच्चा स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करे। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा मॉनीटर बने, क्लास रिप्रेजेंटेटिव बने, हेड बॉय या हेड गर्ल बने और जब वो स्कूल से बाहर आए तो काम की जगह भी लीडिंग रोल निभाए।

झिझकने वाले बच्चों के लिए पेरेंट्स की चिंता लेकिन कई बच्चे दूसरों से बात करने में शर्माते हैं, वे झिझकते हैं। ऐसे बच्चों को लेकर माता-पिता बहुत चिंतित हो जाते हैं। उन्हें डर होता है कि कहीं उनके बच्चे का भविष्य खतरे में तो नहीं है। पेरेंट एजुकेंटर अर्पिता अक्षय पिथावा कहती हैं कि ऐसे शर्माने वाले बच्चों को सही तरीके से समझाया जाए तो उनकी झिझक दूर हो सकती है। इससे बच्चों की सोशल स्किल्स में सुधार होता है और वे ज्यादा आत्मविश्वासी बनते हैं।

बच्चे की सोशल स्किल्स कैसे सुधारे इंद्रोवर्त होना बुरा नहीं है: पेरेंट्स को यह समझना बहुत जरूरी है कि इंद्रोवर्त होना बुरा नहीं होता। अगर बच्चे के सामने बार-बार ये कहा जाए कि वह बहुत शर्माता है या किसी से बात नहीं करता, तो इससे बच्चे का कॉन्फिडेंस कम हो जाता है। इसलिए पेरेंट्स को बच्चे के सामने इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए।

अपनी कहानियां बच्चे से शेयर करें: अपने बचपन की या अपनी ऑकवर्ड कहानियों को बच्चे के साथ शेयर करें। उसे बताएं कि जब आप पहली बार ऑफिस गए थे तो आपका दिन कैसा गुजरा था। इससे बच्चे के दिमाग में यह बात बनती है कि पहले और अब के समय में आपके भीतर कितना बदलाव आया है। इस तरह बच्चे खुद भी प्रेरित होते हैं।

गेस्ट आने से पहले बच्चे को तैयार करें: अगर घर में कोई मेहमान आने वाला है या आप कहीं जाने वाले हैं, तो बच्चे को पहले से तैयार करें। उसे समझाएं कि जब मेहमान आए तो उन्हें कैसे नमस्ते या हाय-हेलो कहना है। इंद्रोवर्त बच्चे अचानक से यह नहीं समझ पाते कि दूसरों के सामने कैसे व्यवहार करना चाहिए। इसलिए बच्चे को पहले से प्रिपेयर करना बहुत जरूरी होता है।

रोल प्ले खेलें: रोल प्ले एक बहुत अच्छा तरीका है बच्चों की सोशल स्किल्स बढ़ाने का। आप बच्चे के साथ रोल प्ले खेल सकते हैं, जिसमें आप टीचर बनें और बच्चा स्टूडेंट। इस तरह बच्चा बातचीत करना और खुद को व्यक्त करना सीखता है। इससे उसके कॉन्फिडेंस में भी वृद्धि होती है।

हमउम्र बच्चों के साथ खेलना: अपने बच्चे के उम्र के दूसरे बच्चों को घर बुलाएं। हमउम्र बच्चों के साथ खेलना और बातचीत करना बच्चे के लिए घुलने-मिलने को आसान बनाता है। इससे बच्चे की कम्युनिकेशन स्किल्स भी बेहतर होती हैं और वह दूसरों के साथ सहज महसूस करता है।

अगर माता-पिता इन तरीकों को अपनाएं तो बच्चों में सोशल स्किल्स का विकास होता है और उनकी झिझक भी दूर होती है। इससे बच्चे स्कूल और जीवन दोनों में आगे बढ़ सकते हैं।



बरसात में बच्चों की यूं करें देखभाल, तो वे नहीं पड़ेंगे बार-बार बीमार

मानसून में मच्छरों और संक्रमण पैदा करने वाले कीटाणुओं का खतरा बढ़ जाता है जो निस्संदेह आपके बच्चों के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे मामलों से बचने के लिए माता-पिता को अपने शिशुओं का ध्यान रखने के लिए एक्स्ट्रा एफर्ट करने की जरूरत होती है। इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में जानेंगे जिनसे बच्चे को बीमार पड़ने से बचाया जा सके।

माता-पिता बारिश के मौसम में अपने बच्चों को ऐसे रखें ख्याल

मानसून बहुत जल्द दस्तक देने जा रहा है, जो धीरे-धीरे गर्मी का प्रचंड रूप शांत करके लोगों को राहत दिलाएगा। वहीं, गर्मी से बेहाल लोग भी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, यह मौसम दूसरों के लिए जितना सुकून लेकर आएगा, नए माता-पिता के लिए उतनी ही परेशानियां क्योंकि मानसून का महीना केवल बारिश ही नहीं बल्कि बीमारी के लिए भी मशहूर है। ऐसे में नए पेरेंट्स अपने बच्चे का ख्याल कैसे रखें यह सबसे बड़ा सवाल है। इस आर्टिकल में हम इसी के बारे में जानने की कोशिश करेंगे कि मानसून के दौरान छोटे बच्चों को बीमारियों से कैसे बचाकर रखें।

मानसून में बच्चों को बीमारी से कैसे बचाएं?

बारिश के मौसम में पानी से होने वाले संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है, ऐसे में बच्चों के बीमार पड़ने की संभावना भी अधिक रहती है। इसलिए पहली बार माता-पिता बने कपल को अपने बच्चे को मानसून में स्वस्थ रखने के लिए अधिक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसके लिए आदतों में कुछ बदलाव और थोड़ी सावधानी आपका काम काफी आसान कर सकती है।

बारिश से बचाएं

कोशिश करें कि अपने बच्चे को बारिश में भीगने से बचाएं। इसके लिए छाते, रेनकोट और रेन बूट जैसी आजमाई हुई चीजें आपके काम आ सकती हैं। बच्चों को बाहर ले जाने से पहले ध्यान दें कि उनके पास सभी आवश्यक चीजें हैं। बरसात के मौसम के दौरान, तापमान में भी तेजी से गर्माहट और ठंडक का अनुभव होता है। वहीं नमी से बचने के लिए बच्चों को आरामदायक सूती कपड़े पहनाएं, लेकिन जब मौसम ठंडा हो जाए, तो उन्हें थोड़े मोटे कपड़े पहनाएं। ध्यान रखें कि बच्चे के कपड़े पूरी तरह सूखे हों क्योंकि बरसात के मौसम में कपड़े नमी सोख लेते हैं, जिससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

डायपर गीला न रहे

बरसात के मौसम में बच्चे को एक मिनट के लिए भी गीला डायपर न पहनने दें। सर्द या बरसात के दिनों में बच्चे अन्य मौसमों की तुलना में अधिक पेशाब करते हैं, जिससे उनकी स्किन पर रेशों हो सकते हैं। इसके अलावा इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है और उन्हें ठंड भी लग सकती है। इसलिए, याद रखें कि जैसे ही आपके लगे कि आपके बच्चे की नेपी गीली या गंदी हो गई है, तो उसे तुरंत बदल दें।

बीमारियों को नजरअंदाज न करें

बचपन में सही पोषण और हेल्दी लाइफस्टाइल बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। यह न सिर्फ उसकी हाइट, हड्डियों की मजबूती बल्कि दिमागी विकास में भी मदद करता है। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा लंबा, तंदुरुस्त और तेज़ दिमाग वाला हो। इसलिए वे बच्चों के खानपान का खास ध्यान रखते हैं।

क्या दूध पीने से बच्चों की हाइट बढ़ती है?

दूध को पारंपरिक रूप से संपूर्ण आहार माना जाता है। इसमें मौजूद कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन्स बच्चों की हड्डियां और मांसपेशियों को मजबूत करते हैं। अवसर हम सुनते हैं कि दूध पीने से लंबाई बढ़ती है। डॉक्टरों का कहना है कि दूध सीधे तौर पर लंबाई नहीं बढ़ाता लेकिन यह उन पोषक तत्वों की पूर्ति करता है जो हाइट ग्रोथ में मदद करते हैं। यानी अगर दूध को बैलेंस डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल के साथ लिया जाए तो यह हाइट बढ़ाने में मददगार हो सकता है।

हाइट किन बातों पर निर्भर करती है?

अनुवांशिकता : माता-पिता की हाइट का सीधा असर बच्चों पर पड़ता है। अगर माता-पिता लंबे हैं तो बच्चों के लंबे होने की संभावना ज्यादा होती है।

पोषण : सही और संतुलित पोषण से हड्डियां और मांसपेशियों का विकास सही ढंग से होता है। बच्चों की डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और जरूरी विटामिन्स होना चाहिए।

फिजिकल एक्टिविटी : योग, स्ट्रेचिंग, स्विमिंग और आउटडोर खेल बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाते



बुखार, शारीरिक दर्द, छींक आना और अन्य लक्षण मानसून से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा इस मौसम में वायरल इंफेक्शन होने का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे कोई भी लक्षण नजर आने पर सीधे अपने डॉक्टर से संपर्क करें और बीमारी से लड़ने के लिए उचित सावधानी बरतें, भले ही यह शुरुआती दौर में ही क्यों न हो।

मच्छरों को दूर रखें

मच्छर के काटने से नवजात शिशु को गंभीर परेशानियां हो सकती हैं, जिससे उनके शरीर पर रेडनेस और सूजन भी हो सकती है। ऐसे में बच्चे के मच्छरदानी में रखें, जिससे वे अच्छी और भरपूर नींद सो सकें। वहीं शाम के वक्त उन्हें पूरी तरह से ढके हुए



हैं। माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उन्हें एक्टिव रखें।

नींद : गहरी नींद के दौरान ग्रोथ हार्मोन रिलीज होते हैं। बच्चों को हर दिन 8-10 घंटे की नींद जरूर देनी चाहिए।

दूध पीने का सही समय और तरीका

दूध सुबह या रात को सोने से पहले देना सबसे अच्छा माना जाता है। दूध में ज्यादा मीठा या चॉकलेट पाउडर न मिलाएं। इससे पोषण कम हो सकता है। दूध को हल्का गर्म करके देना बेहतर है ताकि वह जल्दी पच सके। अगर बच्चा दूध नहीं पीता या उसे लैक्टोज इंटॉलरेंस है तो आप फोर्टिफाइड सोया मिल्क, बादाम मिल्क या ओट मिल्क दे सकते हैं।

बच्चे की हाइट नहीं बढ़ रही तो क्या करें?

बच्चे की डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन ए शामिल करें। दूध, अंडा, दालें, हरी सब्जियां, फल और नट्स रोजाना खिलाएं। बच्चे को रोज खेल-कूद, योग और एक्सरसाइज के लिए प्रोत्साहित करें। पर्याप्त नींद (8-10 घंटे) दिलाना जरूरी है। इसके बावजूद हाइट नहीं बढ़ रही है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

क्या खिलाने से बच्चों की हाइट बढ़ सकती है?

बच्चों को प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन डी और जिंक युक्त आहार देना चाहिए। दूध, दही, अंडा, हरी सब्जियां, दालें, अंकुरित अनाज और फल इनकी डाइट का हिस्सा हों। जंक फूड और सॉफ्ट ड्रिंक्स से बचाव जरूरी है।

क्या लटकने से लंबाई बढ़ती है?

हां, लटकने से रीढ़ की हड्डी पर खिंचाव आता है जिससे लंबाई बढ़ाने में थोड़ी मदद मिलती है। यह एक्सरसाइज पोश्चर सुधारने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करती है। लेकिन सिर्फ लटकने से लंबाई नहीं बढ़ती, इसके साथ अच्छी डाइट, पर्याप्त नींद और अन्य एक्सरसाइज जरूरी हैं। दूध बच्चों के विकास में सहायक जरूर है, लेकिन यह अकेले लंबाई नहीं बढ़ा सकता। इसके लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद और स्वस्थ जीवनशैली जरूरी है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को संपूर्ण पोषण दें और उनके मानसिक व शारीरिक विकास पर ध्यान दें।

इसलिए उनकी यादों को बनने से रोकना नहीं है बल्कि सही देखभाल के जरिए उन्हें बरसात के मौसम का अधिकतम लाभ उठाने देना है।

आसमान की रानी फिलीपाइन ईगल

तेजी से लुप्त होते पक्षियों की श्रेणी में आती है फिलीपाइन ईगल। यह चील प्रजाति की ही है, पर दूसरी चीलों से अधिक बड़ी और ताकतवर होती है। यह मुख्य तौर से फिलीपींस में पाई जाती है। पशुओं का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक कहते हैं कि जिस तरह जंगल का राजा शेर होता है, उसी तरह फिलीपाइन ईगल आसमान की रानी है। इसे 4 जुलाई 1995 को फिलीपींस की नेशनल बर्ड घोषित किया गया था।

मर्मशाळा (एजेंसी)। चैलेंजर बेंगलुरु के बीच आईपीएल 2026 का 61वां मुकाबला रविवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। जेओफ की रस के लिहाज से यह मुकाबला दो टीमों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने इस सीजन शानदार शुरुआत की थी और शुरुआती सात में से छह मुकाबले जीते थे। लेकिन इसके बाद टीम की लय पूरी तरह बिगड़ गई और पीबीकेएस को लगातार पांच हार का सामना करना पड़ा। पंजाब फिनाल 12 मैचों में 13 अंकों के साथ पाँचवें स्थान पर थे जो स्थान पर है। टीम को जेओफ की उम्मीदें मजबूत करने के लिए यह मुकाबला हर हाल जीतना होगा।

शानदार फॉर्म में आरसीबी - डिकेंडि वैपियन आरसीबी सीजन बेहतरीन फॉर्म में नजर आई है।

संक्षिप्त समाचार

बोलीविया की राजधानी में खनिकों और पुलिस के बीच झड़प

सुक्रं, एजेंसी। शुक्रवार को बोलीविया की राजधानी में खनिकों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। खनिक सरकारी महल में घुसने का प्रयास कर रहे थे और डायनामाइट चार्ज का उपयोग कर रहे थे। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आसू गैस छोड़ी। खनिक श्रम सुधारों, ईंधन और राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। राष्ट्रपति रोड्रिगो पाज के प्रशासन को चुनौती मिल रही है। किसानों की मांग पर एक कानून रद्द होने के बावजूद प्रदर्शन जारी हैं।

अमेरिकी सीमा गश्ती प्रमुख माइकल बैक्स का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय सीमा गश्ती एजेंसी के प्रमुख माइकल बैक्स ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि उनका इस्तीफा तुरंत प्रभावी है। बैक्स ने कहा कि यह सही समय है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने देश की सीमा को सबसे सुरक्षित बना दिया है। पहले यह सीमा कम सुरक्षित और अराजक थी। गृह सुरक्षा विभाग ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रुबियो ने कहा- ताइवान पर चीन की सैन्य कार्रवाई बड़ी गलती होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप के साथ चीन दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बुधस्वितवार को सफ किया कि ताइवान के प्रति अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चीन की ओर से बलपूर्वक ताइवान पर कब्जा करना चीन की भयानक भूल होगी। रुबियो ने कहा कि चीन, द्विपक्षीय वार्ताओं के दौरान लगातार ताइवान का मुद्दा उठाता है। हालांकि, जिनिपिंग की ओर से दी गई चेतावनी पर उन्होंने कोई सीधी टिप्पणी करने से परहेज किया।

कनाडा ने 2050 तक बिजली ग्रिड दोगुना करने की रणनीति पेश की

ओटावा, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को स्वच्छ बिजली रणनीति का अनावरण किया। इसका लक्ष्य 2050 तक कनाडा के बिजली ग्रिड को दोगुना करना और ऊर्जा लागत कम करना है। इस रणनीति में प्राकृतिक गैस की बड़ी भूमिका होगी। निर्माण पर 1 ट्रिलियन कनाडाई डॉलर से अधिक खर्च होने का अनुमान है। कार्नी ने कहा कि यह योजना सामर्थ्य, प्रतिस्पर्धा और शुद्ध शून्य उत्सर्जन का मार्ग है। इसमें पनबिजली, परमाणु, पवन, सौर सहित विभिन्न ऊर्जा स्रोतों का उपयोग होगा। कनाडाई जलवायु संस्थान ने इसे सही दिशा में बताया पर कुछ मुद्दे अस्पष्ट हैं।

आतंक के खिलाफ भारत-फिलीपीन एकजुट, बढ़ेगा तकनीकी सहयोग

मनीला , एजेंसी। भारत और फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और मजबूत करने पर सहमति जताई है। मनीला में आयोजित भारत-फिलीपीन आतंकरोधी संयुक्त कार्य समूह की दूसरी बैठक में दोनों देशों ने सीमा पार आतंकवाद समेत हर प्रकार के आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत में हाल में हुए आतंकी हमलों का भी जिक्र किया। इसमें पिछले वर्ष 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट की कड़ी आलोचना की गई। फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति अपनी एकजुटता और अटूट समर्थन दोहराया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. विनोद बहाई ने किया, जबकि फिलीपीन की ओर से विदेश विभाग के सहायक सचिव मार्शल लुई एम. अल्फरेज सह-अध्यक्ष रहे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में आतंकियों द्वारा उभरती तकनीकों के दुरुपयोग को रोकने और आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाम लगाने के लिए खुफिया और अन्य सूचनाएं साझा करने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन, न्यायिक सहायता और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। बैठक में कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और व्यापक बनाने की जरूरत है। भारत और फिलीपीन ने संयुक्त राष्ट्र, एफएटीएफ और आसियान क्षेत्रीय मंच जैसे बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने फिलीपीन की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की।

पाकिस्तान की वो खूबसूरत हसीना जो बनी ‘कोकीन क्वीन’, कराची की लेडी डॉन पिंगी कौन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अपराध की दुनिया से जुड़े कई नाम समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इस बीच ‘लेडी डॉन’ पिंगी का नाम इन दिनों सबसे अधिक चर्चा में है। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हाई-प्रोफाइल ड्रग तस्कन अनमोल उर्फ पिंगी को गिरफ्तार किया है। कराची पुलिस और संघीय जांच एजेंसियों के संयुक्त अभियान में इस महिला को गिरफ्तार किया गया, जिस पर देश के प्रमुख शहरों में कोकीन का विशाल सप्लाई नेटवर्क चलाने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, पिंगी विशेष रूप से कुलीन वर्ग और निजी पार्टियों को नशीले पदार्थों की आपूर्ति करती थी। पुलिस ने आधिकारिक बयान में बताया कि पिंगी पूरे कराची में कोकीन और अन्य घातक ड्रग्स की सप्लाई में सक्रिय थी। छापेमारी के दौरान उसके ठिकाने से एक पिस्तौल, लाखों रुपये की कोकीन, रसायन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस का दावा है

कि वह देश की सबसे वांछित ड्रग सप्लायर्स में शामिल थी और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बचती रही थी।

किशोरावस्था से शुरू हुआ अपराध की दुनिया में सफर : पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स ने हाई-प्रोफाइल ड्रग तस्कन 1995 में कराची के बलूच पारा इलाके में हुआ था। मात्र 14 साल की उम्र में वह घर छोड़कर चली गई थी। शुरू में मॉडलिंग का सपना देखने वाली पिंगी बाद में डॉस पार्टियों और हाई-सोसायटी के जरिए प्रभावशाली लोगों से जुड़ी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय वकील से शादी की, जिसके कथित रूप से वैश्विक कोकीन कारोबार से संबंध थे। बाद में उसने एक पुलिस अधिकारी से भी शादी की। अपने भाइयों नासिर और शौकत की मदद से पिंगी ने ड्रग कारोबार का विस्तार किया। उसने ऑनलाइन रिसर्च कर घरेलू स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन तैयार करना शुरू कर दिया।



अमीरों तक पहुंचा नेटवर्क : जांचकर्ताओं के अनुसार, पिंगी का नेटवर्क कराची, लाहौर और इस्लामाबाद तक फैला हुआ था। यह मुख्य रूप से छात्र और क्लिपटन जैसे महंगे इलाकों को लक्षित करता था। उसने अपना प्रोडक्ट आकर्षक नाम देकर बेचा ‘क्वीन मैडम पिंगी- नाम ही काफी है, आनंद लें’। महिला कूरियर, ट्रेन, बाइक और व्हाट्सएप के जरिए डिलीवरी

का जाल बिछाया गया था। बताया जा रहा है कि दो किस्म की कोकीन बेची जाती थी। पहला ‘व्हाइट कोक’ 8850 रुपये प्रति ग्राम और दूसरा ‘गोल्डन कैटेगरी’ 13728 रुपये प्रति ग्राम। पृष्ठछाछ में पिंगी ने दावा किया कि पाकिस्तान में उससे बेहतर कोकीन कोई नहीं बनाता है। इस गिरफ्तारी ने ड्रग माफिया, पुलिस भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के मुद्दों को फिर से उठा दिया है।

फिर कटघरे में काश पटेल, समुद्र में छुट्टी और यात्राओं को लेकर चौंकाने वाले दावे



लोगों के लिए यहाँ तैरना या गोताखोरी करना सख्त मना है, क्योंकि यह 1941 में जापान के हमले में मारे गए वीरों की याद में बना एक अत्यंत पवित्र स्थल है।

क्या काश पटेल का यह व्यवहार एक पुराने पैटर्न का हिस्सा है : काश पटेल पर संसाधनों के गलत इस्तेमाल के आरोप नए नहीं हैं। आलोचकों का कहना है कि वे अक्सर सरकारी विमान और सुविधाओं का उपयोग अपनी छुट्टियों और निजी शौक पूरा करने के लिए करते हैं। अभी कुछ समय पहले फरवरी में भी वह तब विवादों में आए थे, जब मिलान में शीतकालीन ओलंपिक के दौरान अमेरिकी हॉकी टीम के साथ जश्न मनाते हुए उनका वीडियो सामने आया था। उस समय पटेल ने सफाई दी थी कि वह साइबर अपराध की जांच के लिए वहां गए थे। अब पल्लं हार्बर के पवित्र स्थल पर उनकी इस गतिविधि को ‘गंभीर विचलन’ माना जा रहा है, जिससे उनकी पेशेवर छवि पर सवाल उठ रहे हैं।

होर्मुज खुलने के बाद भी तुरंत नहीं सुधरेंगे हालात, सिंगापुर के पीएम ने दी बड़े संकट की चेतावनी

सिंगापुर , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भारी टकराव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पिछले दो महीने से अधिक समय से बंद है, जिससे पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने अपनी जनता को आगाह करते हुए स्पष्ट किया है कि अगर होर्मुज का यह समुद्री रास्ता फिर से खुल भी जाता है, तो भी हालात तुरंत सामान्य नहीं होंगे। बंदरगाहों और ऊर्जा ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, साथ ही जलमार्गों को बारूदी सुरंगों से मुक्त करने और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही का विश्वास बहाल करने में काफी लंबा समय लगेगा। प्रधानमंत्री ने 1970 के दशक के तेल संकट की याद दिलाते हुए चेतावनी दी है कि इस रुकावट का असर सिर्फ ऊर्जा और पेट्रोल-डीजल

तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनियाभर में उर्वरक, खाद्य पदार्थों और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति भी बुरी तरह से प्रभावित होगी। खाड़ी देशों पर बहुत अधिक निर्भर होने के कारण एशिया के कई देशों में पहले से ही ईंधन की भारी कमी हो गई है, जिससे उड़ानें रद्द हो रही हैं और कारखानों का काम रुक गया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने भी इस वर्तमान संकट को 70 के दशक से कहीं ज्यादा खतरनाक बताया है। प्रधानमंत्री वोंग ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए आपूर्ति में होने वाली इस निरंतर बाधा और आने वाले बेहद कठिन समय का सामना करने के लिए दिलाते हुए चेतावनी दी है कि इस रुकावट का असर सिर्फ ऊर्जा और पेट्रोल-डीजल

हथियार तस्करी के मामले में भारतीय मूल के युवक को सजा

सैक्रामेंटो, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के 27 वर्षीय युवक जशानप्रीत सिंह को अवैध हथियारों की तस्करी और मशीन गन रखने के मामले में पांच साल कार महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। जशानप्रीत कैलिफोर्निया के लोदी शहर का रहने वाला है और उसने ‘पंजाबी डेविल्स’ नाम का एक मोटरसाइकिल गैंग बनाया था। यह गैंग अमेरिका के कुख्यात बाइकर्स संगठन ‘हेल्स एंजल्स’ से जुड़ा बताया गया है।

कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय बाइकर गैंग : अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक ‘पंजाबी डेविल्स’ कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय था। अमेरिकी अर्टोर्नी एरिक ग्रांट ने बताया कि जशानप्रीत सिंह को गैरकानूनी तरीके से हथियार बेचने



और मशीन गन रखने का दोषी पाया गया। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, जून 2025 में उसने एक अंडरकवर पुलिस अधिकारी को कई खतरनाक हथियार बेचने की कोशिश की थी। इनमें शांटे बैरल राइफल, तीन अर्सेल्ट हथियार, मशीन गन में बदलने वाले उपकरण और एक रिमॉल्वर शामिल थे।

पुलिस की छापेमारी में घर से मिले हथियार : इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर छपा मारा, जहां से और भी हथियार बरामद हुए। अधिकारियों को एक मशीन गन, मशीन गन कचर्जन ड्रिवाइस और साइलेंसर मिला। जांच के दौरान पुलिस को एक हैड ग्रेनेड और सैन्य इस्तेमाल में आने वाला क्लेमोर माइन जैसा विस्फोटक भी मिला। खतरे को देखते हुए बम निरोधक

दस्ते ने मौके पर ही इन विस्फोटकों को नष्ट कर दिया।

अमेरिका से भागने की कोशिश की दौरान गिरफ्तारी : शुरुआत में जशानप्रीत सिंह पर सैन जोएक्विन काराांटी में राज्य स्तर पर केस दर्ज किया गया था। लेकिन जुलाई 2025 में वह अदालत में पेश नहीं हुआ, जिसके बाद उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। इसी दौरान एफबीआई को जानकारी मिली कि उसने भारत जाने के लिए टिकट बुक कर ली है और वह सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला है। 26 जुलाई 2025 को अमेरिकी अधिकारियों ने उसे सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया, इससे पहले कि वह भारत भाग पाता। फिलहाल वह अमेरिकी संघीय हिरासत में है।



व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है और इससे वैश्विक समुद्री सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

भारत के हर कदम का समर्थन- संयुक्त अरब अमीरात : यूएई ने भारत को भरोसा दिलाया कि वह भारतीय जहाजों और समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करेगा। बयान में कहा गया कि यह हमला

पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय बोला - भारत में दोनों देशों के बीच संवाद की मांग उठाने का स्वागत है

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने भारत में दोनों देशों के बीच संवाद की मांग उठाने का स्वागत किया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंब्राबी ने कहा कि शांति, सुरक्षा और साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए रचनात्मक साझेदारी और बातचीत जरूरी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंब्राबी ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज नरवणे की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया था। जनरल नरवणे ने आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान का समर्थन किया था कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए हमेशा एक खिड़की खुली रहनी चाहिए।

आधिकारिक प्रतिक्रिया का करेगे इंतजार : पाकिस्तान : ताहिर अंब्राबी ने कहा, ‘भारत के भीतर से संवाद के लिए आवाजें उठना साफ तौर पर एक सकारात्मक विकास है। हमें उम्मीद है कि भारत की ओर से बातचीत की कोशिश होगी। हम निश्चित रूप से देखेंगे कि क्या भारत में इन आवाजों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आती है।’

बैक-चैनल संपर्क पर साधी चुप्पी : हालांकि, अंब्राबी ने दोनों पक्षों के बीच बैक-चैनल संपर्क की पुष्टि या खंडन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ‘ट्रैक टू या बैक चैनल के बारे में - खैर, मैं इसके बारे में नहीं जानता और उन पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। अगर मैं टिप्पणी करता, तो कोई बैक चैनल नहीं होता। बैक चैनल या ट्रैक टू, नाम



अपने आप में स्पष्ट है। **शांति और कूटनीति के प्रति प्रतिबद्धता** : प्रवक्ता ने इस बात पर भी जोर दिया कि पाकिस्तान का मानना ​​है कि रचनात्मक साझेदारी और ईमानदार संवाद शांति, सुरक्षा और सभी के लिए साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, ‘हम कूटनीति के सिद्धांतों, संप्रभुता के सम्मान और सार्थक अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं, जो क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सद्भाव का मार्ग प्रशस्त करते हैं।’

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर क्या बोला पाकिस्तान : अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच स्थायी शांति के लिए अपनी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति प्रक्रिया बकरार है और चल रही है। उन्होंने कहा, ‘हम कोशिशों में लगे हुए हैं। हम आशावादी बने हुए हैं। शांति प्रक्रिया में गति लाना मुख्य रूप से दो प्रमुख वार्ताकारों का विशेषाधिकार है। पाकिस्तान अपनी ओर से कोशिश में लगा हुआ है।

भारतीय जहाज पर हमले की यूएई ने की निंदा: बोला- समुद्री सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का उल्लंघन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही गई है। यूएई ने बिना किसी देश या संगठन का नाम लिए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री रास्तों का इस्तेमाल ‘आर्थिक दबाव’ या ‘ब्लैकमेल’ के लिए अफीकन समुद्री डकैती जैसा है और इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता, लोगों की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरा पैदा होता है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी की घटना की निंदा : वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और व्यापारिक जहाजों तथा आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जाना बेहद

चिंताजनक है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और ओमान प्रशासन ने उन्हें बचाने में मदद की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर हमले और समुद्री व्यापार में बाधा डालने वाली घटनाओं से बचना चाहिए। हालांकि भारत सरकार ने अभी तक जहाज का नाम या हमले में किसी नुकसान की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन सरकार की सूत्रों के मुताबिक नई दिल्ली पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि प्रधानमंत्री मोदी की अबू धाबी यात्रा के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठ सकता है। भारत और यूएई के बीच खाड़ी क्षेत्र और अरब सागर में समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होने की संभावना है।

होर्मुज पर अमेरिका के साथ चीन, परमाणु हथियार को लेकर भी सख्त



बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनिपिंग के बीच बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक में दोनों ने वैश्विक स्थिरता और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने का संक्षेप लिया। इस मुलाकात में ताइवान, होर्मुज स्ट्रेट, ईरान का परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साल 2017 के बाद चीन में दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने की बैठक थी। बैठक ऐसे समय में हुई जब विश्व युद्ध की आशंकाओं, ऊर्जा संकट और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहा है। जिनिपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत करते हुए ताइवान मुद्दे पर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने इसे चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। जिनिपिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान पर कोई भी गलत कदम दोनों देशों के बीच टकराव और युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने पृष्ठ कि क्या चीन और अमेरिका थ्यूसीडाइड ट्रैप से बच सकते हैं? और इसके बजाय बड़े देशों के बीच सहयोग का नया मॉडल बनाने का सुझाव दिया। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि विश्व के तेल

व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला और सुरक्षित रहना चाहिए। जिनिपिंग ने स्पष्ट किया कि चीन इस मार्ग पर किसी भी प्रकार की सैन्य तैनाती या टोल वसूली का विरोध करता है। दोनों पक्ष इस बात पर भी एकमत हुए कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाए। वहीं, ट्रंप ने बैठक को ‘बेहद सकारात्मक और सफल’ बताया। उन्होंने जिनिपिंग को अपना दोस्त और महान नेता करार दिया। वाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने रिश्तों को और मजबूत बनाने, व्यापार सहयोग बढ़ाने, अमेरिकी कंपनियों के लिए चीनी बाजार खोलने और चीन से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर जोर दिया। जिनिपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि 2026 दोनों देशों के संबंधों में नया अर्थशास्त्र साबित हो। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि मतभेदों को वातेचित के जरिए सुलझाया जाए और रिश्तों को कभी बिगड़ने नहीं दिया जाए। बता दें कि इस बैठक में एलन मस्क, टिम कुक समेत अमेरिका के कई प्रमुख उद्योगपतियों ने भी हिस्सा लिया।